दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-4 अंक-343 भोपाल, रविवार 24 अक्टूबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

अपने आदर्श को पाने के लिए सैकड़ों बार, असफल होने पर भी आगे बढ़ो ।

स्वामी विवेकानंद

पंचांग

कार्तिक कृष्ण पक्ष
चतुर्थी, रविवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:21/5:47
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	50 %
वायु (किमी/घ.)	05
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला
₹ 49,395

शेयर सूचकांक

बीएसई 60821.62 -101.81
निफ्टी 18114.90 -63.20

मुंबई के बांद्रा और जुहू में NCB की छापेमारी, ताज लैंड्स एंड होटल में भी पहुंचे अधिकारी

मुंबई। नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो शनिवार को मुंबई के बांद्रा और जुहू के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर रही है। एनसीबी की टीम बांद्रा के ताज लैंड्स एंड होटल पहुंची है। यहां 9 एनसीबी अधिकारियों की टीम आई है। सूत्रों के मुताबिक, टीम बांद्रा के ताज लैंड्स एंड होटल से कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस का पता लगाने पहुंची है। साथ ही कुछ बिल पेमेंट से जुड़े संदेहास्पद ट्रांजेक्शन खंगाले जा रहे हैं। ये कोई रेड या सर्च नहीं है।

कोर्ट ने चारों निहंगों का रिमांड 2 दिन बढ़ाया

नई दिल्ली। सिंघु बॉर्डर पर 15 अक्टूबर को हुई लखबीर सिंह की निर्मम हत्या के मामले में सरेंडर के बाद रिमांड पर चल रहे चारों निहंगों को पुलिस ने शनिवार को कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद चारों की रिमांड 2 दिन के लिए बढ़ा दिया। निहंगों की पेशी के मद्देनजर कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही। मुख्य गेट के अंदर मीडिया की एंट्री भी बैन रही।

पुलवामा में लैंडस्लाइड की वजह से तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में लैंडस्लाइड की वजह से तीन लोगों की मौत हो गई है। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के चलते खानाबदोशों का एक तंबू बीती रात गिर गया। वहीं, जम्मू-कश्मीर के बारामूला, रामबन और अनंतनाग सहित कई जिलों में शनिवार सुबह सीजन की पहली बर्फबारी हुई।

मप्र में सिंचाई क्षमता साढ़े 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 42 लाख हुई

किसानों को सिंचाई के लिए बिजली की कमी नहीं आने देंगे : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी किसानों के कल्याण और उनकी आय दोगनी करने के लिए प्रतिबद्ध

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश की हरियाली और खुशहाली के लिए जो दिन-रात काम करता है, ऐसे किसानों को मैं शीश झुका कर प्रणाम करता हूँ। भगवान के बाद मेरे लिए श्रद्धा के केन्द्र हैं किसान। किसानों के श्रम से आज अन्न के भंडार भरे पड़े हैं। किसान अन्नदाता भी हैं और प्रदेश के भाग्य विधाता भी। देश आपका ऋणी है। मैं किसानों की जिंदगी में सुख, शांति, सुकून और समृद्धि लाने और आपकी जिंदगी बदलने के लिए मुख्यमंत्री बना हूँ। किसानों के लिए सरकार के खजाने में पैसों की कभी कमी नहीं होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में प्रदेश के 44 जिलों के किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि की राशि अंतरित की। मिंटो हॉल भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम कन्या पूजन से आरंभ हुआ। मिंटो हॉल में आयोजित कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह तथा विधायक एवं पूर्व प्रोटेम स्पीकर श्री रामेश्वर शर्मा तथा अधिकारी और कृषक सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना के इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित जिलों के किसान, जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 77 लाख किसानों के खातों में 1540 करोड़ रूपये सिंगल क्लिक से अंतरित किए। राज्य शासन द्वारा दी जा रही यह राशि वित्तीय वर्ष 2021-22 की है। इस कार्यक्रम में आदर्श आचरण संहिता वाले जिलों को शामिल नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी किसानों के कल्याण और उनकी आय दोगनी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी के परिणामस्वरूप साल में तीन बार दो-दो हजार रूपए की तीन किस्त कुल छह हजार रूपए प्रधानमंत्री श्री मोदी की ओर से किसानों के खाते में जारी किए जाते हैं। इसी को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार द्वारा चार हजार रूपए प्रतिवर्ष मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना के अंतर्गत किसानों के लिए जारी करने का निर्णय कोरोना काल में लिया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 2003 से पहले तक प्रदेश का कुल कृषि उत्पादन केवल दो करोड़ 14 लाख मीट्रिक टन था।

घाटी में टेरर पर गृहमंत्री सख्त : बढ़ते आतंकवाद और कट्टरता पर अफसरों से जवाब-तलब

घाटी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जम्मू

गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने श्रीनगर में स्थित राजभवन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हाई लेवल मीटिंग की। 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 रद्द होने के 25 महीने बाद यह शाह की पहली जम्मू-कश्मीर यात्रा है। श्रीनगर एयरपोर्ट पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गृहमंत्री का स्वागत किया। शाह यहां से सीधे जम्मू-कश्मीर पुलिस के शहीद इंस्पेक्टर परवेज अहमद डार के घर पहुंचे। उन्होंने परवेज को श्रद्धांजलि दी और उनके घरवालों से मुलाकात की। NDTV के मुताबिक शाह ने बैठक में कश्मीर में बढ़ते आतंकवाद और कट्?टरता पर सुरक्षा एजेंसियों से जवाब मांगा। उन्होंने घाटी में लंबे तक चलने वाली मुठभेड़ पर भी सफाई मांगी। बैठक में घाटी में लगातार हो रही आम नागरिकों की हत्या और सीमा पार से होने वाली घुसपैठ में बढ़ोतरी पर भी चर्चा हुई।

परवेज अहमद की पत्नी को दिया नौकरी पत्र:- मुलाकात के बाद शाह ने सोशल मीडिया पर कहा कि शहीद जवान परवेज अहमद के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुझे और पूरे देश को उनकी बहादुरी पर गर्व है। उनके परिजनों से भेंट की और उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी दी। शाह ने कहा है कि मोदी जी ने जो नए J&K की कल्पना की है, उसे साकार करने के लिए J&K पुलिस पूरी तन्मयता से कोशिश कर रही है। कश्मीर में पिछले कुछ दिनों के अंदर हुए आतंकी हमलों और गैर कश्मीरियों पर हमलों के बाद शाह का यह दौरा सुरक्षा की दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। शाह 3 दिन जम्मू-कश्मीर में कई अहम बैठकें करेंगे। शाह के दौरे को देखते हुए गृह मंत्रालय ने कश्मीर में विशेष तौर पर स्नाइपर्स, ड्रोन और शार्पशूटर्स को तैनात किया है इन्हें स्ट्रैटेजिक पॉइंट की देखरेख के लिए भेजा गया है। गृहमंत्री के दौरे को लेकर पूरे कश्मीर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जम्मू कश्मीर में IB, NIA, सेना, CRPF के सीनियर अधिकारी इस समय कैम्प कर रहे हैं। वे हर एक इंटेलिजेंस इनपुट्स को मॉनिटर कर रहे हैं। श्रीनगर में पैरा मिलिट्री के अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। पूरे केंद्र शासित प्रदेश में CRPF की 10 और BSF की 15 अतिरिक्त कंपनियों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही ड्रोन और खुफिया कैमरों से चप्पे-चप्पे की निगरानी की जा रही है। CRPF की एक टीम डल झील और झेलम नदी में पेट्रोलिंग कर रही है। हर सड़क और गली-मुहल्लों में भी सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, अमित शाह श्रीनगर से शारजाह की पहली इंटरनेशनल फ्लाइट का भी उद्घाटन करेंगे।

मोदी करेंगे वैक्सीन निर्माताओं से बात

देश में वैक्सीन के 100 करोड़ डोज पूरे होने पर उनके अनुभवों को जानेंगे

» प्रधानमंत्री ने गोवा के स्वयंपूर्ण मित्रों से बात

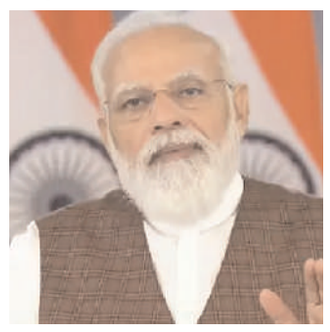

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शनिवार सुबह पीएम मोदी ने गोवा के स्वयंपूर्ण मित्रों के साथ बातचीत की। इस दौरान मोदी ने कहा कि जब सरकार का साथ और जनता का परिश्रम मिलता है तो कैसे परिवर्तन आता है, कैसे आत्मविश्वास आता है, ये हम सभी ने स्वयंपूर्ण गोवा के लाभार्थियों से चर्चा के दौरान अनुभव किया। कार्यक्रम में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत मौजूद रहे। क्रूमोदी ने कहा कि मेरे मित्र स्वर्गीय मनोहर परिकर जी ने गोवा को तेज विकास के जिस विश्वास के साथ आगे बढ़ाया, उसको सीएम प्रमोद की टीम पूरी ईमानदारी से नई बुलंदियां दे रही है। आज गोवा नए आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक गोवा में राजनीतिक स्वार्थ और राजनीतिक अस्थिरता ने राज्य को हानि पहुंचाई। बीते कुछ वर्षों में इस अस्थिरता को गोवा की समझदार जनता ने स्थिरता में बदला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश को संबोधित किया। कोरोना काल के 19 महीने में ये उनका 10वां संबोधन था। दिवाली से पहले दिए 20 मिनट के संबोधन में मोदी का ज्यादातर फोकस कोरोना वैक्सीन के 100 करोड़ डोज पूरे होने और महामारी से निपटने के तरीकों पर रहा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने एक संदेश भी दिया कि महामारी के वक्त जो सवाल उठे थे, देश ने उनके जवाब दे दिए हैं। साथ ही साथ उन्होंने अर्थव्यवस्था, किसानों और त्योहारों का भी जिक्र किया, तो मास्क को लेकर नया मंत्र भी दिया।

प्रियंका ने खेत में जलेबी खाईःमहिलाओं ने पराठा खिलाया तो बोलीं- मेरे भाई ने कहा है कम खाया करो; मोटी हो रही हो

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने आज से प्रतिज्ञा यात्रा (हम वचन निभाएंगे) की शुरुआत की। बाराबंकी में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इससे पहले वे लखनऊ से बाराबंकी के रास्ते में तमरसेपुर गांव में खेतों में काम कर रहीं महिलाओं से मिलीं। प्रियंका खेत में ही महिलाओं के बीच बैठ गईं। इस दौरान महिलाओं ने अपने हाथों से प्रियंका को जलेबी खिलाई। इसी दौरान जब एक महिला प्रियंका को अपने हाथों से पराठा खिलाने लगी, तो उन्होंने कहा, %मेरे भाई ने कहा है, कम खाया करो, मोटी हो रही हो।% इसके बाद एक बुजुर्ग महिला ने एक कैमरामैन का माइक ले लिया। इस पर प्रियंका ने कहा अब महिलाएं माइक भी संभालेंगी और सत्ता भी लेंगी। प्रियंका ने कहा कि मैं महिलाओं से उनकी परिस्थितियों को समझना चाहती थी। ये जानना चाहती थी कि वे अपनी बेटियों की परवरिश कैसे कर रही हैं। वे उन्हें शिक्षित करने में सक्षम हैं। बाराबंकी में तिरंगा यात्रा निकालने से पहले प्रियंका ने कांग्रेस की सात प्रतिज्ञाओं का ऐलान किया। प्रियंका गांधी ने यहां नया नारा गढ़ा।

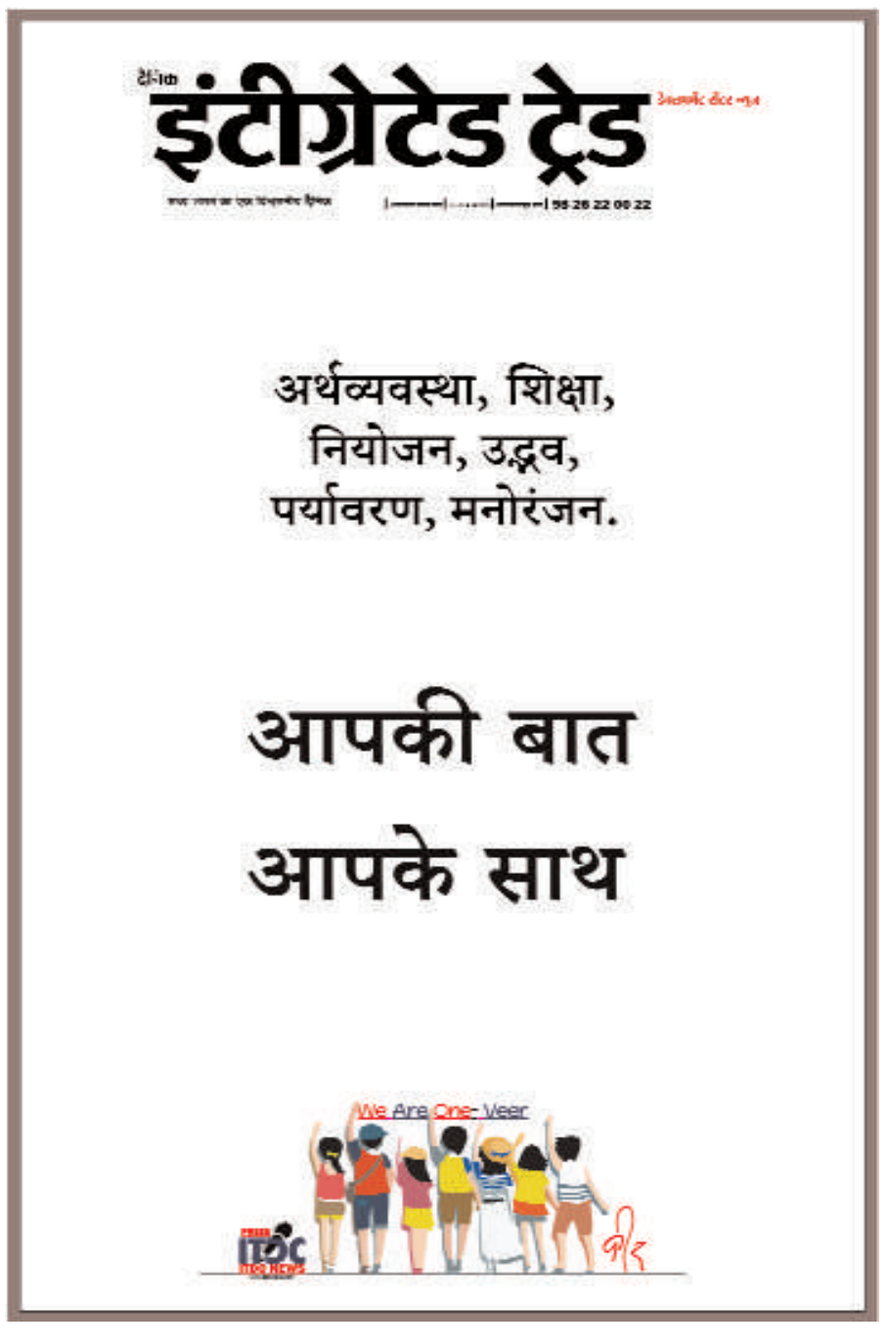

1 से 2 हजार करोड़ रुपए ज्यादा जुटाएगी

पेटीएम बढ़ा सकती है आईपीओ साइज 18 हजार करोड़ रुपए जुटा सकती है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पेटीएम अपने आईपीओ साइज को बढ़ा सकती है। कंपनी 18 हजार करोड़ रुपए आईपीओ से जुटा सकती है। पहले इसने 16,600 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा था।

DRHP में दी 16,600 करोड़ रुपए की जानकारी

पेटीएम ने सेबी के पास जमा ड्राफ्ट रेड हियरिंग प्रोसपेक्टस में बताया था कि वह 16,600 करोड़ रुपए जुटाएगी। पर इसी बीच, आईपीओ से पहले 2 हजार करोड़ रुपए की रकम जुटाने की उसकी योजना फंसती नजर आ रही है। क्योंकि पेटीएम इस 2 हजार करोड़ रुपए को 20 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर जुटाना चाहती थी।

नवंबर के दूसरे हफ्ते में IPO आने की संभावना

सेबी मंजूरी मिलने के बाद रोड शो की तैयारी शुरू

रिटेल निवेशकों के लिए केवल 10% हिस्सा रिजर्व है

जबकि निवेशक 15 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर निवेश करना चाहते हैं।

योजना में आ रही है रुकावट

खबर है कि यह योजना सफल नहीं होगी। इसलिए पेटीएम अब आईपीओ साइज में 1 से 2 हजार करोड़ रुपए की बढ़ोत्तरी कर सकती है। आईपीओ में पेटीएम ने रिटेल निवेशकों के लिए 10 फीसदी हिस्सा ही रिजर्व रखा है। बाकी गैर संस्थागत निवेशकों के लिए 15 फीसदी और क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल के लिए 75 फीसदी हिस्सा रिजर्व रखा गया है। QIB में से 60 फीसदी तक हिस्सा एंकर निवेशकों के लिए रिजर्व रखा जा सकता है।

एंकर निवेशक एक दिन पहले पैसा लगाते हैं

एंकर निवेशक आईपीओ खुलने से एक दिन पहले पैसा लगाते हैं। जबकि बाकी निवेशक आईपीओ खुलने से के बाद पैसा लगाते हैं। एंकर निवेशकों में विदेशी निवेशक , म्यूचुअल फंड, बैंक, कंपनियां आदि होती हैं। पेटीएम आईपीओ में जो साइज बढ़ाना चाहती है, वह ऑफर फॉर सेल और प्राइमरी शेयर का हिस्सा होगा। OFS मतलब कंपनी में जो पहले से निवेशक हैं, वे या फिर प्रमोटर ज्यादा हिस्सा बेच सकते हैं। पेटीएम के आईपीओ को शुक्रवार को ही सेबी की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने जुलाई में सेबी के पास आईपीओ के लिए अर्जी दी थी।

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्व्यर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680,7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)- (Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुविधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile:9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK 3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC

खबर की खबर

नौकरशाह जितने जिम्मेदार होंगे, देश को उतना ही ज्यादा फायदा होगा: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आत्मनिर्भर भारत स्वयंपूर्ण गोवा कार्यक्रम के लाभार्थियों एवं हितधारकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया। उन्होंने कहा कि हमारे अफसरशाह जितने ज्यादा जिम्मेदार और संवेदनशील होंगे, देश को उतना ही ज्यादा फायदा होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम वर्षों से लंबित पड़े कार्यों पर तेजी से काम कर रहे हैं। उन्होंने कि रेहड़ी- पटरी लोगों को डिजिटल देन से बहुत दा होगा।

जोड़ा वाले लेन-फाय

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर प्रशासनिक अधि कारियों से पात्र लाभा थियों तक पहुचंने में तकनीक की उपयोगिता के विषय में जानना चाहा। उन्होंने महिला सशक्तीकरण के लिए किये गये इनोवेटिव कार्यों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मैं जब गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब स्वयं सहायता समूह को खाना परोसने का प्रशिक्षण दिलवाया। इससे बड़े आयोजनों में अन्न की बर्बादी रुकी और लोग प्रशिक्षित भी हुए। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह सेवा के क्षेत्र में काफी कुछ कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने गोवा में होम स्टे की परिकल्पना की संभावना बताते हुए अधिकारियों पर इस दिशा में कार्य करने की सलाह दी।उल्लेखनीय है कि एक अक्टूबर, 2020 को शुरू की गई स्वयंपूर्ण गोवा की पहल प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान से प्रेरित थी। इस कार्यक्रम के तहत, राज्य सरकार के एक अधिकारी को 'स्वयंपूर्ण मित्र' के रूप में नियुक्त किया जाता है। यह मित्र एक नामित पंचायत या नगरपालिका का दौरा करता है, लोगों के साथ संवाद करता है, विभिन्न सरकारी विभागों के साथ समन्वय करता है और यह सुनिश्चित करता है कि विभिन्न सरकारी योजनाएं एवं लाभ पात्र लाभार्थियों के लिए उपलब्ध हों। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी मौजूद रहे।

मप्रः मुख्यमंत्री आज 77 लाख किसानों को ट्रांसफसर करेंगे 1540 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज (शनिवार को) मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में प्रदेश के 44 जिलों के कृषक परिवारों को उनके खातों में सिंगल क्लिक से राशि अंतरित करेंगे। इस दौरान 77 लाख से अधिक किसानों को 1540 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की जाएगी।

जनसम्पर्क अधिकारी अशोक मनवानी ने बताया कि राजधानी भोपाल के मिंटो हॉल में प्रात: 11:30 बजे आयोजित होने वाले इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान प्रतीक स्वरूप कुछ किसानों को सम्मान निधि के चैक वितरण कर किसानों से संवाद भी करेंगे। इस कार्यक्रम में आदर्श आचरण संहिता वाले जिलों को शामिल नहीं किया गया है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना का कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगा। संबंधित जिलों के किसान, जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी वर्चुअली शामिल होंगे।

खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

ज़ी के बोर्ड पर नियंत्रण चाहती है इन्वेस्को

मुंबई। पुनीत गोयनका (एमडी व सीईओ) ने आज एनसीएलटी में शपथपत्र जमा कराया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि प्रतिस्पर्धी मीडिया इकाइयों (जिसका नियंत्रण भारतीय दिग्गज के पास है) के साथ ज़ी के विलय करने के इन्वेस्को का प्रस्ताव न मानने पर वह हमें सबक सिखाना चाहती है। रणनीतिक समूह के साथ विलय के इन्वेस्को के प्रस्ताव से किसी मूल्यांकन रिपोर्ट के अभाव में ज़ी के शेयरधारकों को भारी नुकसान होता। गोयनका ने अदालत को ये बातें बताई है। भारतीय दिग्गज कंपनी का नाम लिए बिना गोयनका ने कहा कि रणनीतिक समूह के प्रतिनिधियों संग उनकी बातचीत के दौरान उन्हें बताया गया कि अगर वह मूल्यांकन रिपोर्ट चाहते हैं तो उन्हें सौदा करने में दिलचस्पी नहीं होगी। मुझे बताया गया कि यह सौदा होने से हमारी इज्जत बढ़ जाएगी और मुझे प्रस्तावित विलय वाली इकाई को संचालित करने की पूरी छूट दी जाएगी और किस तरह से मैं उनके साथ मिलकर बाजार की अग्रणी बन सकते हैं। मुझे स्पष्ट तौर पर बताया गया कि इन्वेस्को का प्रस्तावित सौदा पांच दिन के अंदर पूरा हो जाएगा। मुझसे यह भी कहा गया कि इन्वेस्को के साथ बातचीत पहले ही हो चुकी है और ऐसे में मूल्यांकन पर कोई चर्चा नहीं हो सकती। गोयनका ने यह खुलासा किया है। गोयनका ने शपथपत्र में कहा है, संक्षेप में मुझसे कहा गया कि चूंकि उनकी जेब से कोई रकम नहीं निकलेगी और मेरी स्थिति बनी रहेगी, ऐसे में मैं कोई सवाल न पूछूं और सौदे पर ध्यान केंद्रित करूं। 13 अक्टूबर को इन्वेस्को ने कहा था कि उसने रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ लेनदेन की पहल की थी, जिस पर रिलायंस व गोयनका व ज़ी प्रवर्तक परिवार से जुड़े अन्य लोगों के बीच बातचीत हुई थी। संपर्क किए जाने पर ज़ी के प्रवक्ता ने मामला विचाराधीन होने का हवाला देते हुए शपथपत्र पर टिप्पणी करने से मना कर दिया। अदालत को दी गई सूचना के मुताबिक, गोयनका ने इन्वेस्को के प्रस्तावित सौदे पर विस्तार से जानकारी दी है और कहा है कि 3 मार्च 2021 को इन्वेस्को के ए. बलानी और भावतोष वाजपेयी के साथ मुझसे प्रस्तावित सौदे पर रणनीतिक समूह को मिली प्रतिक्रिया पर चर्चा तय हुई थी। इस दौरान बलानी और वाजपेयी ने रणनीतिक समूह की तरफ से दी गई अस्पष्ट प्रतिक्रिया के बारे में बताया, जिसमें मुझे दी गई सूचना व दस्तावेज में जानकारी का अभाव था।

डायरेक्ट ग्राहक से डील : मर्सिडीज-बेंज का रिटेल ऑफ द फ्यूचर भारत में लॉन्च, देश भर में अब एक जैसी कीमत पर मिलेंगी कार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जर्मनी की कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मर्सिडीज-बेंज अब भारतीय ग्राहकों को डायरेक्टर कार बेचेगी। यानी ग्राहकों को कार खरीदने के लिए किसी डीलर के पास नहीं जाना होगा। कंपनी ने इसी साल जून भारतीय बाजार के लिए रिटेल ऑफ द फ्यूचर बिजनेस मॉडल की घोषणा की थी। अब कंपनी ने इसे ऑफिशियली लॉन्च कर दिया है। भारत ऋहृञ्ञस्र को लागू करने वाला चौथा ग्लोबल और भारत पहला छ्यष्ठ बाजार है। एक वर्चुअल इवेंट में मर्सिडीज-बेंज इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और ष्टश्वह मार्टिन श्वेंक ने कहा कि ऋहृञ्ञस्र एक यूनिट कस्टमर सेंट्रिक बिजनेस मॉडल है, जो हमारे ग्राहकों

के बढ़ते रुझानों को पूरा करता है। बाजार में हमारे फ्रेंचाइजी पार्टनर्स के फाइनेंशियल और ऑपरेशन रिस्क को कम करके मजबूत बनाता है। अब फ्रेंचाइजी पार्टनर्स कस्टमर्स को पूरी तरह से एक्सीलेंट एक्सीपिरियंस देने का कॉम्पिटिशन करेंगे।

आरओटीएफ के जरिए 1700 से अधिक बुकिंग मिली

मर्सिडीज-बेंज पहले ही बीटा फेज में ऋहृञ्ञस्र के जरिए 1,700 से अधिक बुकिंग हासिल कर चुकी है। यह नया बिजनेस मॉडल सिर्फ नई कारों की बिक्री तक ही सीमित है। कंपनी ग्राहक के ऑर्डर की प्रोसेसिंग करने और उन्हें पूरा करने के लिए भी जिम्मेदार होगी। कंपनी ने कहा कि देश भर में कारों की कीमत एक समान होगी। ROTF से ग्राहक के लिए कार की कीमत कम हो सकती है।

50,000 रुपए की टोकन राशि के साथ बुकिंग हो जाएगी

ग्राहकों की अब नेशनल स्टॉक तक सीधी पहुंच होने वाली है। पहली बार कंपनी ट्रांसपेरेंसी बनाए रखने के लिए ऑर्डर बुकिंग फेज के दौरान ग्राहकों को व्हीकल आईडेंटिफाई नंबर नंबर देगी। एक बार जब ग्राहक को उसकी पसंद की गाड़ी नेशनल स्टॉक में मिल जाता है, तो वे 50,000 रुपए की टोकन राशि के साथ बुकिंग कर सकते हैं। अगले 14 दिनों में ऑर्डर पूरा हो जाएगा।

रिलायंस जियो के ग्राहक घटे

बीती तिमाही में 1 करोड़ से ज्यादा कस्टमर कम हुए, लेकिन डाटा खपत 51 फीसदी बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो के ग्राहक घटे हैं। कंपनी ने पिछली तीन तिमाही के दौरान 34 मिलियन (3.4 करोड़) ग्राहक जोड़े थे, लेकिन साल की दूसरी तिमाही में उसे 11.1 मिलियन (1.11 करोड़) ग्राहकों का नुकसान हुआ है। कंपनी ने इसके लिए कोविड-19 महामारी को जिम्मेदार ठहराया है। इसके बाद भी जियो नेटवर्क पर डाटा खपत 51 फीसदी बढ़ी है।

पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के मुकाबले डाटा खपत 50.9 फीसदी बढ़कर, सितंबर तिमाही में 2300 करोड़ त्रक्क जा पहुंची। प्रति कनेक्शन डाटा खपत में भी लगातार बढ़ोतरी जारी है। हर जियो ग्राहक ने हर महीने औसतन 17.6त्रक्क डाटा का इस्तेमाल किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शुक्रवार को जारी तिमाही रिजल्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं।

हर ग्राहक हर महीने औसतन 840 मिनट बात कर रहा

बीती तिमाही में जियो नेटवर्क पर हर ग्राहक ने हर महीने औसतन 840 मिनट फोन पर बात की। कुल

मिलाकर जियो नेटवर्क पर दूसरी तिमाही के दौरान 1.9 ट्रिलियन मिनट बात की गई। जियो के औसत रेवेन्यू प्रति यूजर प्रतिमाह यानी ARPU में भी तेजी देखने को मिली। पहली तिमाही में जियो का औसत रेवन्यू प्रति यूजर प्रतिमाह 138.2 रुपए रहा था, जो सितंबर तिमाही में 3.7 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 143.6 रुपए जा पहुंचा।

दिवाली से पहले लॉन्च होगा जियोफोन नेक्स्ट

जियोफोन नेक्स्ट को कंपनी दिवाली से पहले बाजार में उतारना चाहती है। जियोफोन नेक्स्ट की लॉन्च डेट के बारे में कंपनी ने अपना वायदा दोहराते हुए कहा कि रिलायंस जियो और गूगल साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि दिवाली से पहले जियोफोन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

दूसरी तिमाही में 3,728 करोड़ रुपए मुनाफा

जियो प्लेटफॉर्म्स को जुलाई से सितंबर 2021 की दूसरी तिमाही में 3,728 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है। यह साल भर पहले के मुकाबले 23.5 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल यानी वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में यह मुनाफा 3,019 करोड़ रुपए था।

'कनेक्टेड व्हीकल' के बाजार में उतरने की योजना

कंपनी ने कहा है कि 5त्र की टेस्टिंग चल रही है और अभी तक के आंकड़ों के मुताबिक बेहद सफल रही है। 40 लाख कैंपस जियोफाइबर से कनेक्ट हो चुके हैं जबकि 1 करोड़ 60 लाख कैंपस के दरवाजे तक जियोफाइबर पहुंच चुका है। कंपनी अब 'कनेक्टेड व्हीकल' के बाजार में भी बड़े पैमाने पर उतरने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि उसने कई बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों के साथ साझेदारी हो चुकी है। बता दें एमजी कार कंपनी के लिए भी जियो कनेक्टिविटी सॉल्यूशन सर्विस देती है।

क्रिप्टोकरेंसी में निवेश से पहले सावधान

देश में क्रिप्टो फर्जीवाड़ा जोरों पर, बीते 6 माह में दो लाख से ज्यादा खाते ब्लॉक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रिप्टोकरेंसी को भले भारत में अभी तक मान्यता न मिली हो, लेकिन निवेशक के साथ-साथ आर्थिक अपराधी इसमें खासी रुचि दिखा रहे हैं। यही कारण है कि बीते छह माह में 4 लाख से अधिक क्रिप्टो अकाउंट को ब्लॉक करना पड़ा है। टैक्स चोरी, फ्राड और आपराधिक गतिविधियों के संदिग्ध मामले सामने आने के बाद देश के टॉप-3 क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों ने यह कार्रवाई की है। इनमें वजीरएक्स, कॉइनस्विच कुबेर और कॉइन डीसीएक्स तीनों बड़े एक्सचेंज शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कॉइनस्विच कुबेर ने अप्रैल-सितंबर के दौरान सबसे अधिक 1.80 लाख अकाउंट सस्पेंड किए हैं। इसके अलावा एक्सचेंज करीब 2 लाख ऐसे क्रिप्टो अकाउंट की दैनिक निगरानी भी कर रहा है, जिन पर उसे फर्जी होने का शक है। वहीं, एक अन्य क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स भी भारतीय और विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों से अनुरोध मिलने के बाद 14,469 क्रिप्टो अकाउंट ब्लॉक कर चुका है। इनमें विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों से मिले 38 अनुरोध शामिल हैं। ये अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रिया, स्विट्जरलैंड और जर्मनी से मिले है। लेकिन ब्लॉक किए गए 90 फीसदी से ज्यादा क्रिप्टो अकाउंट ऐसे हैं जिन पर अन्य यूजर्स शिकायत मिलने और एक्सचेंज के इंटरनल ट्रैकिंग तंत्र के पकड़ में आने पर रोक लगाई गई है। वजीरएक्स को हाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

23 और 24 अक्टूबर को 12 घंटों के लिए काम नहीं करेगी इनकम टैक्स वेबसाइट

अभी निपटा लें अपने काम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की नई वेबसाइट आज यानी 23 अक्टूबर और रविवार 24 अक्टूबर को कुछ समय के लिए बंद रहेगी। मेंटीनेंस एक्टिविटी के चलते यह वेबसाइट आज रात 10 बजे से कल रविवार सुबह 10 बजे तक काम नहीं करेगा। इनकम टैक्स की नई वेबसाइट खोलने पर ऊपर की तरफ एक नोटिस लिखा आ रहा है, जिसमें कहा गया है, सावधान- पहले से तय मेंटीनेंस एक्टिविटी के चलते वेबसाइट शनिवार रात 10 बजे से रविवार सुबह 10 बजे तक काम नहीं करेगी।

इसी साल जून में लॉन्च हुई थी नई वेबसाइट

सरकार ने 7 जून को नई इनकम टैक्स वेबसाइट लॉन्च की थी। इसके लॉन्च होने के बाद इसमें

कई दिनों तक काफी समस्याएं आई थीं। इसको लेकर टेक्नोलॉजी कंपनी इन्फोसिस के MD और CEO सलिल पारेख को समन जारी किया गया था। इस पोर्टल को इन्फोसिस ने ही 4241 करोड़ रुपए में बनाया है।

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 2 करोड़ से ज्यादा रिटर्न फाइल हुए

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अनुसार नई इनकम टैक्स वेबसाइट के जरिए अब तक 2 करोड़ से ज्यादा इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किए जा चुके हैं। वहीं 36 लाख से ज्यादा करदाताओं को रिफंड जारी किया जा चुका है।

31 दिसंबर तक फाइल करना है इनकम टैक्स रिटर्न

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न 31 दिसंबर तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना है। पहले इसके लिए 30 सितंबर आखिरी तारीख थी लेकिन इसे बढ़ाकर 31 दिसंबर किया गया है।

भारत में ई-कॉमर्स से जुड़ी बड़ी बहस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उपभोक्ता ई-कॉमर्स के बारे में आने वाली खबरें लगातार बढ़ती जा रही हैं। कुछ दिन पहले एमेजॉन की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से की गई तो भारत सरकार ने आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर डिजिटल कॉमर्स को लोकतांत्रिक बनाने का वादा किया। इसी तरह चीन से आने वाली रिपोर्ट बताती हैं कि चीन की सरकार ने दिग्गज ऑनलाइन कंपनी अलीबाबा पर एकाधिकार तोड़ने वाले नियमों के उल्लंघन के आरोप में 2.75 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है। फिर ऐसी रिपोर्ट भी आई कि भारत सरकार बाजार नियामक सेबी की तर्ज पर ई-कॉमर्स गतिविधियों के नियमन के लिए एक स्वतंत्र अधिकरण के गठन के बारे में विचार कर रही है। लेकिन मुझे इस बात को कोई आश्चर्य नहीं है कि ई-कॉमर्स के संदर्भ में ऐसा प्रतिकूल रुख कहां से पैदा हो रहा है? मसलन, क्या इसकी वजह से ही किताब पढ़ने के शौकीन लोगों के लिए महज एक क्लिक पर किताब घर पर मंगाना आसान नहीं हो गया। या फिर घूमने-फिरने के शौकीन लोगों को हवाई टिकट खरीदने के लिए लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ता है या एक युवा के लिए किसी जॉब साइट पर अपना ब्योरा अपलोड करने के साथ ही अनगिनत रोजगार अवसर मिलने लगते हैं। जब आप थोड़ा और गहराई से देखेंगे तो आप तेजी से घबराने लगते हैं। हमारे देश में ग्रॉसरी की लाखों छोटी दुकानें हैं और हजारों ट्रैवल एजेंट एवं अन्य गतिविधियों से जुड़े लोग हैं। इस तरह भारत को समकालीन दौर में दुकानदारों का देश कहा जा सकता है।

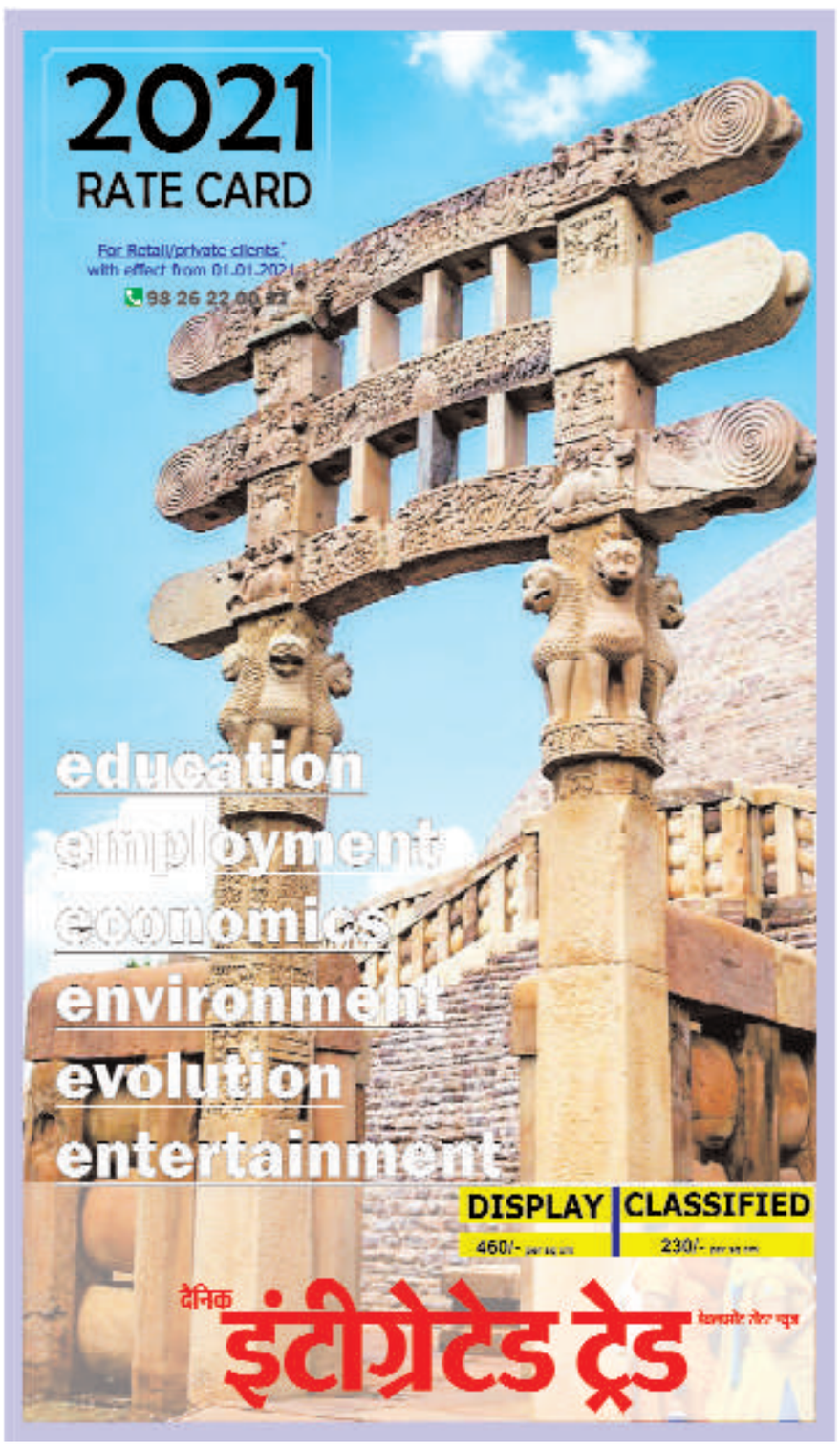

मीशो न्यूनतम ऑर्डर के बिना पहुंचाएगी किराना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सोशल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म कंपनी मीशो खाद्य एवं किराना बाजार में खलबली मचाने जा रही है। पहले चरण में वह 200 से अधिक मझोले एवं छोटे शहरों में सभी ऑर्डरों पर मुफ्त होम डिलिवरी देगी। कंपनी कमाई के मॉडल के मामले में भी उठापटक मचाएगी। यह अपने प्रतिस्पर्द्धियों की तरह विक्रेताओं से कमीशन लेने के बजाय विज्ञापन से कमाई पर जोर दे रही है। मीशो के इस कदम से जियो मार्ट, टाटा की बिग बास्केट,

एमेजॉन, ग्रोफर्स जैसी इस क्षेत्र की बड़ी कंपनियों को चुनौती मिलने के आसार हैं, जिनमें से कई ने मुफ्त डिलिवरी के लिए न्यूनतम ऑर्डर कीमत तय की हुई है। मीशो के सह-संस्थापक और सीईओ विदित अत्रे से जब पूछा गया कि वे भरपूर पैसे और बाजार में दबदबे वाले इन दिग्गजों से मुकाबला कैसे करेंगे तो उन्होंने सबसे पहले बताया कि बड़ी कंपनियां नाकाम कहां रही हैं। उन्होंने कहा, %अब तक कोई भी कंपनी बड़े शहरों से आगे ऑनलाइन किराना डिलिवरी के मॉडल का समाधान नहीं खोज पाई है। यही वजह है कि उनका कारोबार सबसे बड़े 6 से 10 बाजारों में ही चल रहा है क्योंकि अन्य जगहों पर अर्थशास्त्र काम नहीं करता है। उन्होंने कहा कि मीशो एक बिल्कुल अलग मॉडल के जरिये छोटे शहरों और कस्बों में ऑनलाइन किराना कारोबार में उतरेगी। मीशो ने कर्नाटक के चुनिंदा छोटे शहरों में किराना सेवा शुरू की है और फार्मीसो के नाम से एक अलग ब्रांड बनाएगी। इसे कपड़े एवं रसोई के सामान से लेकर सौंदर्य एवं इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे अन्य उत्पाद क्षेत्रों में तगड़ी सफलता मिली है। इस समय किराना एवं खाद्य कारोबार में औसतन 600 से 800 रुपये के न्यूनतम ऑर्डर पर मुफ्त डिलिवरी मिलती है। लेकिन मीशो की योजनाओं के कारण बड़ी कंपनियां भी मुफ्त डिलिवरी के लिए तय न्यूनतम ऑर्डर को खत्म कर रही हैं।

बाढ़ से जनता तबाह, सरकार बेपरवाह

देश में इस वक्त उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ के कारण तबाही मची है। 2018 में सदी की सबसे भयावह बारिश और बाढ़ का कहर झेल चुके केरल में पानी एक बार फिर अकाल मौतों का कारण बना। कम से कम 26 लोग इस बार बाढ़ का शिकार बने। जान बचाने के लिए लोग कहीं पेड़ से लटके, कहीं एक-दूसरे का हाथ थामा और उसी तरह दुनिया से विदा हो गए। जो बच गए, उनका जीवन कब तक सामान्य हो पाएगा, ये कोई नहीं बता सकता। सरकार के दिए मुआवजे और संवेदनाओं के खोखले शब्द किसी आपदा का समाधान नहीं हो सकते हैं, ये बात हमारी सरकारें अब तक शायद समझ नहीं पाई हैं। इसलिए साल दर साल कहीं बाढ़, कहीं अकाल से आम लोग मरते हैं और इनसे बचने का उपाय करने की जगह सरकार मुआवजे की घोषणा पर ध्यान देती है। बारिश को रोका नहीं जा सकता, न ही किसी और प्राकृतिक आपदा पर इंसान का वश है। लेकिन कम से कम एहतियाती उपाय तो किए ही जा सकते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में भारत ने बहुत तरक्की की है और आकाश से लेकर धरती पर निगरानी रख सकें, ऐसे कई उपग्रह अंतरिक्ष की कक्षाओं में पहुंचाए जा सके हैं। मौसम का पूर्वानुमान या भविष्यवाणी करने के लिए मौसम विभाग है। फिर भी लोगों को बाढ़ की विभीषिका क्यों झेलनी पड़ती है, ये सवाल सरकार से किया जाना चाहिए। तीन ओर से समुद्र से घिरे भारत और सबसे ऊपर हिमालय की चोटियों के कारण देश की तस्वीर जितनी मनोहारी बनती है, सरकार की लापरवाही और विकास की अंधाधुंध दौड़ के कारण इस तस्वीर पर उतने ही दाग लगते जा रहे हैं। मौसम चक्र परिवर्तन के कारण बारिश का कहर किसी भी समय देश पर टूटने लगा है। खासतौर पर समुद्रतटीय इलाकों और पहाड़ी इलाकों में आम लोगों के लिए मौसम परिवर्तन एक बड़ा खतरा बन चुका है। लेकिन इस खतरे को टालने की ओर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। केरल में जब तीन साल पहले बाढ़ से तबाही हुई थी, तब यहां की 44 नदियों पर बने 70 से ज्यादा बांधों पर पर्यावरणविदों ने सवाल उठाए थे। बांधों के प्रबंधन और रख-रखाव में बरती जा रही लापरवाहियों को लेकर सवाल उठे थे। जानकारों का मानना है कि केरल में हर साल अच्छी-खासी बारिश होती है और बांधों का प्रबंधन भी उसी के अनुसार होना चाहिए। अगर औसत से ज़्यादा बारिश होती है तो फिर बांधों में जमा पानी को सिलसिलेवार छोड़ते रहना चाहिए ताकि अचानक जमा पानी ख़तरा ना बन जाए। इस बार भी लगातार हो रही बारिश से केरल के कई बांधों का जलस्तर लगातार ख़तरनाक होता जा रहा है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंत्रियों और अधिकारियों की एक बैठक में कहा कि विशेषज्ञ समिति तय करेगी कि संबंधित बांधों में पानी की मात्रा के आधार पर कौन-सा बांध खोला जाना चाहिए। बांधों के खुलने के कुछ घंटे पहले ज़िला कलेक्टरों को सूचित किया जाएगा ताकि स्थानीय लोगों को वहां से हटने के लिए पर्याप्त समय मिले। अच्छा है कि इस बार सरकार ने विशेषज्ञ समिति पर बांधों को खोलने का फैसला छोड़ा गया है, क्योंकि 2018 में इस बात पर विवाद छिड़ा था कि निचले इलाक़ों में रहने वाले लोगों को बताए बिना बांध खोल दिए गए थे। लेकिन सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति इस बार ये काम पहले ही कर लेती तो लोगों के पुनर्वास में और मदद मिलती। जब आग लगे, तभी कुआं खोदने वाली सरकारी आदत का नुकसान जनता को उठाना पड़ता है। केरल में अब हालात संभल रहे हैं, लेकिन उत्तराखंड में बारिश, बादल फटना, भूस्खलन जैसी घटनाओं ने कुमाऊं के इलाके में भारी तबाही मचाई है। कुमाऊं क्षेत्र में बीते 124 सालों में अब तक की सबसे ज़्यादा बारिश रिकार्ड की गई है। बारिश और भूस्खलन से होने वाली तबाही में कुल 47 लोग अब तक जान गंवा चुके हैं। कोसी, गौला, रामगंगा, महाकाली के साथ ही इलाक़े की सभी नदियां और जल धाराएं उफ़ान पर हैं और सैकड़ों भूस्खलनों के चलते कई मकान ज़मींदोज़ हो गए हैं और अधिकतर सड़कें बाधित हैं। बचाव और राहत कार्य में लगे जवान केरल से लेकर उत्तराखंड तक दिलेरी के साथ लोगों की जान बचाने में लगे हुए हैं। पर्यटन के लिए मशहूर नैनीताल में नैनी झील में जलस्तर बढ़ने के कारण तबाही मची हुई है। सड़कें, दुकानें, होटल सब पानी में डूबे हुए हैं। पर्यावरणविद् और इतिहासकार शेखर पाठक के मुताबिक नैनीताल झील के ज्ञात इतिहास में अब तक ऐसा ओवरफ़्लो नहीं देखा गया है। एक तो अभूतपूर्व बरसात इसका कारण रही है, दूसरी वजह यह रही कि लेक ब्रिज में बनाया गया पानी का पैसेज भी नासमझी के साथ बनाया गया है। उसे और बड़ा बनाया जाना था। बरसात के चलते झील में पानी लाने वाले सारे ही नालों से इतना पानी आया कि उस रफ़्तार के साथ उसकी निकासी नहीं हो पाई और तल्लीताल के इलाक़े में बाढ़ आ गई।

संपादकीय

सियासी बाजार में नेता ब्रांड

बिहार के दूरस्थ गांव में एक लोकगीत सुना था, 'मायापुर बजरिया में सब कुछ बिकानी' अर्थात मायापुर बाजार में सब कुछ बिकता है। सामान, आदमी, सत्ता-शक्ति, राजनीति सब कुछ! हम सब एक प्रकार के बाजार में रहते हैं। हमारा माइंड स्पेश ही धीरे-धीरे बाजार में तब्दील होता जा रहा है। यूं तो सभ्यता के विकास के साथ बाजार को विकसित होना ही था, मगर 1990 के बाद उदार अर्थव्यवस्था के शुरू होने के बाद न केवल भारत में, वरन दुनिया के अनेक पश्चिमी-गैर पश्चिमी मूल्यों में, जहां बाजार का विस्तार धीमा था, वहां उसका आक्रामक प्रसार हुआ है। बाजार के इस आक्रामक प्रसार ने न केवल हमारे जीवन को बदला है, बल्कि राजनीति, संस्कृति और हमारे दैनिक जीवन की भाषा को भी बदल दिया है। भारत में बाजार के इतने आक्रामक प्रसार के बावजूद भारतीय जीवन की जड़ें अपनी जमीन में गहरे पैठे होने के कारण यहां परिवर्तनों की गति उतनी तेज नहीं है। भारतीय जनतांत्रिक राजनीति में आज इसी बाजार के असर के कारण राजनीति की भाषा, गोलबंदी की तकनीक, संवाद एवं राजनीति करने के ढंग में परिवर्तन हो रहा है। आज भारतीय राजनीति में पॉलिटिकल मैनेजर, पॉलिटिकल ब्रांड जैसे शब्दों का धड़ल्ले से प्रयोग हो रहा है। शायद यह माना जाने लगा है कि हमारा मतदाता भी उपभोक्ता है, उसे लक्ष्य कर अपनी राजनीति एवं अपने नेता को एक 'ब्रांड' में तब्दील करना होगा। इसके लिए आजकल राजनीतिक दल चुनावी रणनीति एवं प्रचार-प्रसार के लिए पेशेवर कंपनियों का सहारा लेने लगे हैं। अपने ब्रांड को दूसरों से बेहतर बताने के लिए रणनीति बनाने वाले, सर्वेक्षण करने वाले एवं नारे बनाने वाले हमारी राजनीति में वैसे ही इस्तेमाल किए जा रहे हैं, जैसे बाजार में अपने उत्पाद को लोकप्रिय बनाने के लिए उत्पादक, विक्रेता एवं कॉरपोरेट कंपनियां करती हैं। इसमें प्रबंधक, विज्ञापन गुरु, कंटेंट राइटर मिलकर काम करते हैं। सबका लक्ष्य होता है, जिस राजनीतिक दल के साथ वे काम कर रहे हैं, उसके ब्रांड को अन्य ब्रांड से बेहतर सिद्ध करें। अनेक सोशल साइट्स में अपने-अपने पॉलिटिकल ब्रांड के लिए लोकप्रिय कंटेंट बनवाने, उसके लिए 'लाइक' प्राप्त करने में आज राजनीतिक शक्तियां अच्छा-खासा निवेश करने लगी हैं।

आज की राजनीति में परदे के पीछे काम करने वाले ये 'मस्तिष्क' या 'थिंक टैंक' वैसे ही सोचते हैं, जैसे कॉरपोरेट कंपनियों के सामान बेचने के लिए बाजारगत रणनीति बनाने के लिए सोचा जाता है। इनमें से कई ग्रुप तो ऐसे मिलेंगे, जो एक ही साथ उत्पाद बेचने एवं राजनीतिक दलों के ब्रांड को चुनावों में लोकप्रिय बनाने के काम में लगे होते हैं। इनमें बैंकर्स, मैनेजमेंट विशेषज्ञ, सोशल साइट के लिए कंटेंट तैयार करने वाले, सभी साथ मिलकर काम करते मिलेंगे। अतः सोशल साइट्स पर जो आपको दिखता है, उसे जनता की सहज निर्दोष प्रतिक्रिया मान लेना हमारी बड़ी भूल होगी।

भारत में 'पॉलिटिकल ब्रांड' निर्माण की प्रक्रिया पश्चिमी देशों में भिन्न है, किंतु चुनाव प्रबंधन में लगे ये 'प्रोफेशनल ग्रुप' कई बार पश्चिमी देशों में राजनीति के ब्रांड मेकिंग की प्रक्रिया को दोहराने लगते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की तरह मीडिया पर आक्रामक रहने का सुझाव देने लगते हैं और ओबामा की तरह के नारे गढ़ने व गढ़वाने लगते हैं। फलतः वे कई बार अपने मकसद में चूक जाते हैं। वे भूल जाते हैं कि भारतीय समाज में बाजार के विस्तार के बावजूद जनता का उपभोक्ता समूह में रूपांतरण की प्रक्रिया धीमी है। किसी भी ब्रांड को अपनी विशिष्टता, विभिन्नता एवं प्रामाणिकता साबित करनी होती है। भारत में पॉलिटिकल ब्रांड के उभार की प्रक्रिया में प्रामाणिकता उस नेता को मिलती है, जिसका जुड़ाव उस राजनीतिक दल के साथ होता है, जिसकी जनता में अच्छी छवि होती है या जो किसी राजनीतिक परिवार से जुड़ा होता है। यह ठीक है कि 'परफॉरमेंस', 'डेलिवरी' जैसे शब्द आज शासन विमर्श या राजनीति में खूब उपयोग में लाए जा रहे हैं, किंतु भारतीय जनता अभी भी लगाव, संवेदना विकसित करने के पारंपरिक उपादानों से ही अपने काम चलाती है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव शीघ्र होने जा रहा है। माना जा रहा है कि इस चुनाव में कई पॉलिटिकल ब्रांड आपस में टकराएंगे। एक तरफ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सशक्त ब्रांड है, जिसमें 'हिंदुत्व' का विचार उनके लिए जनता के एक बड़े वर्ग से सहज ही संबंध रच देता है। उत्तर प्रदेश के गांवों में घूमते हुए हमने कई बार सुना है कि 'योगी-मोदी' एक हैं। योगी के ब्रांड को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि भी प्रभावी बनाती रहती है। उनके ब्रांड को इस चुनाव में भाजपा एक दृढ़ प्रशासक की छवि के रूप में प्रचारित करना चाहती है, जिसने लोगों के जीवन में अपराधियों की मौजूदगी को खत्म किया। सरकारी योजनाओं को नीचे तक पहुंचाने, विधि एवं शासन को प्रभावी बनाने वाले नेता के रूप में उनके ब्रांड को प्रचारित करने में लगा समूह विपक्ष के प्रतिघातों के असर को कम करना चाहता है। दूसरी तरफ, सपा नेता अखिलेश यादव का ब्रांड विकसित किया जा रहा है, जिसका मूल आधार उत्तर प्रदेश में भाजपा की नीतियों की आलोचना पर टिका है। तीसरी तरफ, मायावती के पॉलिटकल ब्रांड को दलित शक्ति, नारी शक्ति, योग्य व बड़े प्रशासक की छवि के रूप में निर्मित किया जा रहा है। इस चुनाव में बड़ी तैयारी कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को एक ब्रांड के रूप में विकसित करने की होती दिख रही है। उनके ब्रांड रचने में लगे रणनीतिकार उनको नेहरू परिवार, इंदिरा गांधी की तरह दिखने व व्यवहार करने से जोड़कर देख रहे हैं। उन्हें संघर्षशील व्यक्तित्व के रूप में प्रचारित कर उनका ब्रांड रच रहे हैं। सेकुलरिज्म की शक्ति को हिंदुत्व की राजनीति ने कमजोर कर दिया है, अतः उनकी छवि निर्माण में सर्वधर्म समभाव एवं हिंदू धर्म से जुड़ाव सिद्ध करने की जरूरत उनका ब्रांड रचने वाले महसूस कर रहे हैं।

भूख सूचकांक रिपोर्ट है भारत के पतन का संकेत

भारत के विभाजनकारी राजनीतिक माहौल में यह मुद्दा पहले से ही राजनीतिक फुटबॉल के दर्जे में बदल गया है और जल्द ही भुला दिया जाएगा। इस विषय को सरकारी प्रचार मशीन के माध्यम से दफन कर दिया जाएगा जो जानती है कि लोगों का ध्यान हटाने के लिए कैसे पीछे हटना है और उधर विपक्ष है जो इस मुद्दे को उछालकर राजनीतिक बढ़त हासिल करना चाहता है। दोनों ही गरीबों और विशेष रूप से भारत के बच्चों का अहित करते हैं जहां यह एक स्वीकृत तथ्य है कि देश भर में 50 प्रतिशत बच्चों की मौतों का एक महत्वपूर्ण कारण कुपोषण ही है।

- जगदीश रत्तनाणी

भारत जैसे विशाल और हंगामे भरे लोकतंत्र को केवल संतुलन और विवेक के साथ नियंत्रित किया जा सकता है। एक महान राष्ट्र के नाम पर वैध दावों और मांगों को किसी अन्य की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण मानना प्रगति का नहीं बल्कि पीछे हटने का संकेत है। हम पतन की ओर जा रहे हैं और भूख सूचकांक रिपोर्ट इस बात का सिर्फ एक और स्वतंत्र संकेत है।

केंद्र सरकार जाहिरा तौर पर %2021 ग्लोबल हंगर इंडेक्स% में भारत की खराब रेटिंग से परेशान है और उसने रिपोर्ट और उसके निष्कर्षों को बदनाम करने की कवायद शुरू कर दी है। आधिकारिक तौर पर %इंडिया शाइनिंग% का दावा किया जा रहा है पर हकीकत यह है कि कोविड-19 और उसके कारण लगे प्रतिबंधों के कारण लोग गंभीर रूप से परेशान हैं। इसके अलावा भारत एक ऐसा देश है जहां सर्वाधिक कुपोषित बच्चे हैं (उपयुक्त ऊंचाई के लिए कम वजन कुपोषण को दर्शाता है)। जर्मनी के डीउत्शे वेल्टुंगरहिल्फे ई. वी. और आयरलैंड के कन्सर्न वर्ल्डवाइड (दोनों अपने-अपने देशों के विख्यात सहायता संगठन हैं) ने अपनी 60 पेज की रिपोर्ट में वैश्विक भुखमरी सूचकांक रैंक में भारत को 101वें स्थान पर रखा है, जो 116 राष्ट्रों की सूची में सबसे निचले स्थान के करीब है। इस सूची में पाकिस्तान 92, बांग्लादेश और म्यांमार 71वें स्थान पर हैं। भारत के विभाजनकारी राजनीतिक माहौल में यह मुद्दा पहले से ही राजनीतिक फुटबॉल के दर्जे में बदल गया है और जल्द ही भुला दिया जाएगा। इस विषय को सरकारी प्रचार मशीन के माध्यम से दफन कर दिया जाएगा जो जानती है कि लोगों का ध्यान हटाने के लिए कैसे पीछे हटना है और उधर विपक्ष है जो इस मुद्दे को उछालकर राजनीतिक बढ़त हासिल करना चाहता है। दोनों ही गरीबों और विशेष रूप से भारत के बच्चों का अहित करते हैं जहां यह एक स्वीकृत तथ्य है कि देश भर में 50 प्रतिशत बच्चों की मौतों का एक महत्वपूर्ण कारण कुपोषण ही है।

और इस बात से बेखबर है कि उनके घर में आग लगी है।

यह रिपोर्ट दो राष्ट्रों के बीच एक लंबे समय से चलने वाले विवाद को उजागर करने का भी कार्य करती है जिसे अक्सर %भारत बनाम इंडिया% के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह ग्रामीण और शहरी भारत के बीच विभाजन है या किसानों, कारखानों में काम करने वाले कर्मचारियों और दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों के बीच का अंतर है। अतीत में इस विभाजन ने अपना प्रभाव दिखाया है और सरकार को अपनी बात सुनने के लिए मजबूर किया। यह राजनीति और नीति में बदल गया है। वैसे यह एक धीमी प्रक्रिया है जिसके कारण सत्ता और सत्ता के जरिए मिलने वाले विशेषाधिकारों का उपभोग करने और सत्ता के लिए दावा करने वाले लोगों के लिए कई बार निराशा होती थी। विरोध का अपना महत्व, अपना वजन और राजनीतिक ताकत थी और इसे जायज मांग के रूप में मान्यता दी गई थी। मजदूर संगठनों की अपनी आवाज थी। किसान संगठित हों तो सरकार को उनकी बात सुननी पड़ेगी। यह उस स्थिति से अलग है जहां आज हम खड़े हैं। दोनों भारत के बीच की खाई और बढ़ गई है। भारत के किसान एक साल से भारी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और उनकी आवाज सुनी नहीं जा रही है। जिन कानूनों के खिलाफ वे आवाज उठा रहे हैं, वे कानून उनके रहने और काम करने के तरीके में बुनियादी बदलावों को चिह्नित करता है। अपनी बात बताने के लिए संघर्ष करने वाले किसानों की अनदेखी करने से भारत कमजोर ही हुआ है। इसी तरह भारत की बाल मृत्यु दर को अनदेखा करना उन बच्चों, माताओं तथा परिवारों की आवाजों और रोने की आवाजों की सुनवाई न करना उन लोगों के साथ अन्याय करना है जो इसी तरह अपने बुनियादी अधिकारों की मांग करने में असमर्थ रहे हैं। यह सच है कि यह कोई नई समस्या नहीं है लेकिन आधे-अधूरे मन से ही क्यों न हो, पिछली सरकारों ने इन चिंताओं को दूर करने के लिए थोड़ा-बहुत काम किया था, किन्तु अब हमने इनसे मुंह मोड़ लिया है। ऐसा लगता है कि संसदीय बहुमत के आलोक में सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह उन्हें बनाम हम है। इस प्रकार विभाजन की खाई और चौड़ी होती जा रही है। आज एक तरफ ऐसा भारत है जिसके नेतृत्व को विश्वास है कि हम विश्व व्यवस्था के शीर्ष पर जाने के लिए दौड़ रहे हैं और दूसरी तरफ उसका यह बदसूरत और भयावह चेहरा सामने आ रहा है। विभाजन का यह आईना हमें कई क्षेत्रों की छवि दिखाता है कि किस तरह कोविड-19 महामारी के समय प्रवासी श्रमिक फंसे थे, उनसे किस तरह का व्यवहार किया गया था। उद्योग समूहों द्वारा उन्हें लौटने के लिए मजबूर किया जा रहा है और अब किस तरह श्रमिकों के अधिकारों में कटौती की जा रही है। जब कोरोना अपने चरम पर था तो किस तरह आम नागरिकों ने ऑक्सीजन के लिए तकलीफें उठाईं और उसके मुकाबले किस तरह से डॉक्टरों ने मरीजों को लूटा व पैसे बनाये। किस तरह से एक ओर फैंसी पूंजी का निर्माण किया जा रहा है और किस तरह से आम नागरिकों के लिए बुनियादी ढांचा ढहते जा रहा है। किस तरह से होटल व्यस्त है व हवाई अड्डों पर भीड़ है और हर साल स्नातक होने वाले हमारे हजारों युवा किस तरह काम खोजने के संघर्ष के समय नौकरियों पर प्रवचन सुनने को मजबूर हैं। किस तरह देश में हर रोज 100 से अधिक लोग सर्पदंश से मर जाते हैं, तो किस तरह से हम अपने कुछ बेहतरीन अस्पतालों में उन्नत स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। किस तरह से जेल में विचाराधीन कैदियों और फॉदर स्टेन स्वामी की हिरासत में मौत हो गई बनाम किस तरह से मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह लापता हो गए हैं और किस तरह पुलिस ने उनकी तलाश कर रही है। किस तरह एक बुलेट ट्रेन जो एक दिन चलेगी जबकि कई वर्तमान रेलवे स्टेशनों की मरम्मत की सख्त जरूरत है।

किसानों को रास्ते से हटाने की कोशिश

दिल्ली की तीन सीमाओं पर चल रहे किसान आंदोलन को अगले पांच दिनों में 11 महीने पूरे हो जाएंगे। कृषि प्रधान और जय जवान, जय किसान के नारे पर यकीन करने वाले भारत में सत्तारुढ़ पार्टी यानी भाजपा के लिए यह बड़ी शर्मिंदगी का सबब होना चाहिए कि उसके शासनकाल में किसान खेतों में कम और सड़कों पर अधिक दिख रहे हैं। अपने हक के लिए साल भर से वो आंदोलन कर रहे हैं और अगले चुनावों तक आंदोलन को चलाने का इरादा जतला रहे हैं। ऐसा नहीं है कि किसान यह सब किसी अहं के टकराव या राजनैतिक फायदे के लिए कर रहे हैं। बल्कि इस आंदोलन की सफलता या असफलता ही उनके भावी जीवन की दिशा तय करेगी, इसलिए किसान सारे कष्ट सहते हुए आंदोलन कर रहे हैं। किसान जानते हैं कि इस समय अगर तकलीफों की परवाह उन्होंने की तो फिर भविष्य में उन्हें और आने वाली पीढ़ियों को तकलीफ के अलावा कुछ नहीं मिलेगा। क्योंकि तब न अपने खेत पर, न उपज पर, न फसल के दाम पर उनका कोई अधिकार रह जाएगा।

बहुत साल पहले जब सार्वजनिक नल और प्याऊ बंद होने लगे थे, कुएं-बावड़ियां गुजरे जमाने की बात हो गए थे और बोतल में पानी बिकने लगा था, तब इस बात पर चिंता जतलाई जाने लगी थी कि आज पानी बिक रहा है, कल को हवा भी बेची जाएगी। और कुछ दशकों में ये चिंता सही साबित हो गई। अब प्रदूषण से बचाव के नाम पर एयर प्यूरीफायर मिलने लगे हैं और आक्सीजन पार्लर खुल चुके हैं। निजीकरण और उदारीकरण के नाम पर पूंजी कितने क्रूर खेल आम इंसानों के जीवन के साथ खेल सकती है, इसके उदाहरण सामने देखने के बावजूद अब भी समाज जागरुक नहीं हो रहा है। किसान समझ रहे हैं कि आज

उनसे बिना पूछे, उनकी बेहतरी के नाम पर जो तीन कानून बना दिए गए हैं, उसका असर आने वाले समय में सभी के लिए कितना भयावह साबित हो सकता है। इसलिए किसान शारीरिक, मानसिक और आर्थिक सारी तकलीफें झेलकर भी आंदोलन जारी रखे हैं। दिल्ली पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए सड़क पर गड्ढे खोदने, कील लगाने से लेकर बैरिकेडिंग करने जैसा सारे उपाय कर लिए। पिछले साल नवंबर से लेकर जनवरी के बीच सरकार और किसानों के बीच 11 दौर की बातचीत भी हुई। लेकिन इस आंदोलन को सरकार खत्म नहीं करवा पाई, क्योंकि सरकार का कोई इरादा उद्योगपतियों को नुकसान पहुंचाने का नहीं है। कृषि कानून वापस हो जाएंगे, तो मनचाही फसल, मनचाहे दामों पर खरीदने से लेकर मनचाही जमाखोरी की छूट उद्योगपतियों को नहीं मिल पाएगी। और इस वक्त लोककल्याणकारी कहलाने वाली सरकार की प्रतिबद्धता उद्योगपतियों के लिए अधिक दिख रही है। इसलिए अब न कानून वापस हो रहे हैं, न बातचीत के लिए एक फोन कॉल की दूरी को प्रधानमंत्री मिटा पा रहे हैं। अलबत्ता इस वक्त ये कोशिश जरूर की जा रही है कि किसान सड़कों से हट जाएं। कुछ समय पहले अदालत में इस शिकायत के साथ याचिका लगाई गई थी कि किसान आंदोलन के चलते रास्ते बाधित हो रहे हैं। जिस पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एम एम सुंदरेश की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि इस मामले में कानून पहले से तय है और रास्ता नहीं रोका जाना चाहिए। इस पर किसानों के वकील दुष्यंत दवे ने सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि 2020 में सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आदेश दिया था कि विरोध-प्रदर्शन को ना हटाया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा, लेकिन सड़क को ब्लॉक भी नहीं किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि सड़कें साफ होनी चाहिए। हम बार-बार कानून तय करते नहीं रह सकते। आपको आंदोलन करने का अधिकार है लेकिन सड़क जाम नहीं कर सकते। ये सही है कि किसी भी विरोध प्रदर्शन के कारण अगर सड़कें जाम हों या रेलवे ट्रैक बंद किया जाए, तो आम लोगों को तकलीफ उठानी पड़ती है। लेकिन अगर लोकतंत्र में जनता सड़क पर विरोध करने नहीं उतरे तो फिर कहां जाए। वैसे भी देश में असहमति के लिए वैचारिक स्तर पर जगह कम होती जा रही है और अब जमीन पर विरोध की गुंजाइश भी खत्म हो रही है। अदालत कानून के हिसाब से किसी मुद्दे की व्याख्या करती है। लेकिन जनता के द्वारा चुनी गई सरकार इस वक्त कहां है। क्या मोदीजी का काम केवल उद्घाटन करना या अब सरकार ने कौन सा नया रिकार्ड बनाया, या पिछली सरकारों को कोसना, यही रह गया है। क्यों देश के प्रधानमंत्री को इस बात की फिक्र नहीं है कि किसान 11 महीनों से सड़कों पर बैठे हैं। क्यों उन्हें इस बात की फिक्र नहीं है कि कड़ी मेहनत के बाद देश का पेट भरने वाले किसानों को कभी देशद्रोही बताया जाता है, कभी उनके साथ हिंसा की जाती है। ये अपने आप में एक मिसाल है कि किसानों का ये आंदोलन अहिंसापूर्ण तरीके से आगे बढ़ रहा है। और देश में संवैधानिक पद पर बैठे लोग जैसे मनोहर लाल खट्टर या अजय मिश्र टेनी किसानों को सबक सिखाने के बयान दे रहे हैं। क्या शब्दों के जरिए हिंसा को उकसाने वाले इन लोगों पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए थी। इससे पहले शाहीन बाग के आंदोलन में भी सरकार समर्थक कुछ लोगों ने हिंसा भड़काने की कोशिश की थी।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

किसी काम का नहीं अहंकार

जब अंदर अंहकार पैदा हो जाता है तो स्वयं को सर्वशक्तिमान मानने की प्रवृत्ति आती है। ऐसा महसूस होने लगता है कि जैसे हमारी वजह से ही यह समाज और दुनिया चल रही है। ज्यों-ज्यों यह भ्रम बढ़ता जाता है, त्यों-त्यों अंहकार भी बढ़ता जाता है।

कोरोना काल ने यह बता दिया है कि मनुष्य स्वयं इतना समर्थ नहीं है जितना कि वह समझता है। समय और परिस्थितियां ही किसी भी मनुष्य को समर्थ बनाती हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि समय और परिस्थिति के हिसाब से कर्म के महत्व को नकार दिया जाए। कर्म की मजबूत बुनियाद पर खड़े होकर ही आदमी सच्चे अर्थों में समर्थ बनता है। जब वह किसी भी रूप में समर्थ हो जाता है तो अपने अन्दर एक अंहकार पाल लेता है। इस अंहकार के कारण ही दूसरों को तुच्छ समझने का सिलसिला शुरू होता है। जब अंदर अंहकार पैदा हो जाता है तो स्वयं को सर्वशक्तिमान मानने की प्रवृत्ति आती है। ऐसा महसूस होने लगता है कि जैसे हमारी वजह से ही यह समाज और दुनिया चल रही है। ज्यों-ज्यों यह भ्रम बढ़ता जाता है, त्यों-त्यों अंहकार भी बढ़ता जाता है। लेकिन क्या वास्तव में हम इतने समर्थ हैं कि स्वयं को सर्वशक्तिमान समझने लगें? जब भ्रम जरूरत से ज्यादा बढ़ जाता है तो वह मूर्खता कहलाता है। इस मूर्खता के कारण कई बार हम अपने जीवन को संकट में डाल देते हैं।

> कुछ अपवादों को छोड़कर जटिल से जटिल रोगों का उपचार संभव है। इसके बावजूद मनुष्य लाचार है। इस कोराना काल में न इनसान की धन-दौलत काम आ रही है, न उसका रसूख। इस दौर में रसूखदार लोगों को भी अस्पताल में बिस्तर और ऑक्सीजन नहीं मिले। दरअसल इस कोरोना काल ने यह बता दिया है कि हमारा सारा वैभव और अहंकार बेकार है।

इस कोरोना काल में रोगी ऑक्सीजन पाने के लिए तड़पते रहे। श्मशान घाटों में जगह नहीं। लाइन में रखे गए शव दाह संस्कार का इंतजार करते रहे। यह सही है कि इस स्थिति के लिए काफी हद तक व्यवस्था जिम्मेदार है। लेकिन व्यवस्था के साथ एक बहुत छोटा सा विषाणु किस हद तक लाचार बना सकता है, यह सब प्रत्यक्ष रूप से देख रहे हैं। पुराने जमाने में जब महामारी फैलती थी तो तब ज्यादा साधन नहीं थे। चिकित्सा विज्ञान ने भी इतनी प्रगति नहीं की थी। लेकिन आज समस्त साधन मौजूद हैं। कुछ अपवादों को छोड़कर जटिल से जटिल रोगों का उपचार संभव है। इसके बावजूद मनुष्य लाचार है। इस कोराना काल में न इनसान की धन-दौलत काम आ रही है, न उसका रसूख। इस दौर में रसूखदार लोगों को भी अस्पताल में बिस्तर और ऑक्सीजन नहीं मिले। दरअसल इस कोरोना काल ने यह बता दिया है कि हमारा सारा वैभव और अहंकार बेकार है। आखिर किस बात का अहंकार है? निश्चित रूप से हम अपने शरीर और धन-दौलत पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करते हैं और अंततः यही अहंकार का कारण बनता है। ऐसा नहीं है कि शरीर और धन-दौलत काम नहीं आते हैं। एक सीमा तक ये चीजें काम आती हैं। ये चीजें हमारे जीवन को अजर और अमर नहीं बना सकतीं। यह सही है कि एक गरीब आदमी धन के अभाव में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं भी नहीं पाता। इसी तरह निर्बल शरीर पर जीवाणु और विषाणु जल्दी हमला करते हैं और वह शीघ्र रोगी हो जाता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि अमीर और मजबूत शरीर वाले आदमी को जीवन में कोई कष्ट नहीं मिलेगा और वह हर तरह के संकटों से मुक्त रहेगा।

फेफड़ों को मजबूत करने में प्रभावी है भस्त्रिका प्राणायाम

सांस संबंधी दिक्कतों से आज के समय में कई लोग घिर जाते हैं। इसके अलावा, दूसरी बीमारियां भी वर्तमान समय में लोगों को अपना शिकार बनाती हैं। बेहतर स्वास्थ्य के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करना बेहद जरूरी है। हेल्थ एक्सपर्ट्स मानते हैं कि जो लोग शारीरिक रूप से ज्यादा सक्रिय होते हैं उन्हें बीमारियों का खतरा कम होता है। योग और प्राणायाम शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार भस्त्रिका प्राणायाम करने से संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर होता है। आइए जानते हैं

कैसे करते हैं भस्त्रिका प्राणायाम

इस प्राणायाम को 3 तरीकों से किया जाता है। शुरुआत में 5 सेकेंड सांस ले और उतनी ही देर में सांस छोड़ें। दूसरी बार में 5 सेकेंड की जगह केवल 2.5 सेकेंड का वक्त लीजिए। तीसरे दौर में लगातार सांस लें और छोड़े। इस प्राणायाम को 5 मिनट करें। सबसे पहले शांत वातावरण में पद्मासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अपनी गर्दन, सिर और शरीर को सीधा रखें। अब आंखें बंद करें और कुछ देर के लिए अपने शरीर को शिथिल करें और अपने मुंह को बंद करें। फिर हाथों को ज्ञान मुद्रा में रखें। धीरे-धीरे सांस खींचें फिर सांस को बलपूर्वक वापस छोड़ें।

मजबूत होंगे फेफेड़े

आयुर्वेद में तीन प्रकार के दोषों का जिक्र मिलता है जिनमें वात, पित्त और कफ शामिल हैं। ये योगासन इन तीनों को संतुलित रखने में मददगार है। इस आसन को करने से फेफड़े तो मजबूत होते ही हैं, साथ ही सांस संबंधी दिक्कतें भी नहीं होती हैं।

दूर करता है कंजेशन

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इस प्राणायाम को करने से छाती से कंजेशन और ब्लॉकेज की समस्या दूर होती है। साथ ही, गला, नाक और साइनस भी पूरी तरह से क्लियर होता है। इसके अलावा, फेफड़ों में जो ज्यादा बलगम हो जाता है वो भी निकलता है।

कम होती हैं पाचन संबंधी दिक्कतें: एक्सपर्ट्स बताते हैं कि जिन्हें पेट संबंधी दिक्कतें होती हैं उन्हें भस्त्रिका प्राणायाम जरूर करना चाहिए। इससे अपच, गैस, एसिडिटी जैसी दिक्कतें दूर होती हैं। साथ ही, लोगों का मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है।

इन बातों का रखें ध्यान: हर योग प्राणायाम को करते वक्त सावधानी बरतना जरूरी है। भस्त्रिका प्राणायाम करते वक्त भी कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। इस आसन को सुबह के समय करना चाहिए। खाली पेट इसे करने से ज्यादा लाभ होगा, साथ ही आधे घंटे पहले और बाद तक पानी भी नहीं पीयें। नाक को अच्छे से साफ करके ही ये प्राणायाम करें।

वजन कम करने से लेकर डायबिटीज तक में कारगर है सूर्य नमस्कार

आज की तनावभरी जिंदगी और फिजिकल एक्टिविटी की कमी के कारण शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। खराब लाइफस्टाइल की वजह से लोग बढ़ते वजन और डायबिटीज की समस्या से जूझ रहे हैं। हालांकि इन सभी बीमारियों से छुटकारा दिलाने में सूर्य नमस्कार बेहद ही कारगर है। अगर सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या में शामिल कर लिया जाए तो यह जिंदगी में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। नियमित तौर पर सूर्य नमस्कार के अभ्यास से व्यक्ति का शारिरिक और मानसिक स्वास्थ्य मजबूत रहता है। हिंद पॉकेट बुक्स से प्रकाशित योग गुरु धीरज की हालिया किताब योग संजीवनी में सूर्य नमस्कार के फायदे को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है। साथ ही इसमें यह भी बताया गया है कि सूर्य नमस्कार के दौरान क्या सावधानियां बरतनी चाहिए।

सूर्य नमस्कार के फायदे: पेट की चर्बी हो सकती है खत्म- नियमित सूर्य नमस्कार का अभ्यास करने से हमारा मेटाबॉलिज्म सक्रिय होता है, जिससे पेट की बढ़ी हुई चर्बी को कम करने में मदद मिलती है। साथ ही पेट की मांसपेशियों भी मजबूत होती हैं।

सूर्य नमस्कार करने के दौरान पेट के अंगों में खिंचाव आता है, जिससे पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। समान और अपान वायु को संतुलित कर यह पेट संबंधी रोगों का नाश करता है। जो लोग कब्ज, अपच या फिर पेट में जलन की समस्या से जूझ रहे हैं उन्हें रोजाना सुबह खाली पेट सूर्य नमस्कार का अभ्यास करना चाहिए।

वजन और डायबिटीज: सही तरीके से सूर्य नमस्कार करने से बेहद ही तेजी से वजन कम किया जा सकता है। यह कार्डियोवस्कुलर सिस्टम को तंदरुस्त रखता है, साथ ही हृदय को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए सूर्य नमस्कार बेहद ही फायदेमंद होतठा है।

अनियमित पीरियड्स: जिन महिलाओं को अनियमित पीरियड्स की शिकायत है, उन्हें भी नियमित तौर पर सूर्य नमस्कार करना चाहिए। इससे यह समस्या दूर हो सकती है। साथ ही प्रसव के दौरान भी कम दर्द होता है।

वॉकिंग से लेकर कार्डियो तक, डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद होंगे ये 4 व्यायाम

डायबिटीज के मरीजों की पूरी सेहत इस बीमारी से प्रभावित होती है, इस वजह से कभी आंखों में परेशानी तो कई बार स्किन प्रॉब्लम्स से जूझना पड़ सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ डायबिटीज के मरीजों को अपनी सेहत के प्रति बहुत ज्यादा सचेत रहने की सलाह देते हैं। ये बीमारी अस्वस्थ खानपान, शारीरिक असक्रियता, स्ट्रेस, धूम्रपान, आनुवांशिकता और मोटापा के कारण हो जाती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने के लिए दवाइयों के साथ अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना भी आवश्यक है। बताया जाता है कि कई व्यायामों के जरिये भी रक्त शर्करा का स्तर नियंत्रित रह सकता है।

ब्रिस्क वॉकिंग

इस कोरोना काल में अक्सर लोग ये बहाना बनाते हैं कि सारे जिम बंद हैं तो एक्सरसाइज कैसे करें। हालांकि, फिजिकली फिट रहने के लिए आप जिम ही जाएं, ऐसा जरूरी नहीं है। आप किसी भी सुरक्षित स्थान पर कुछ देर के लिए टहल सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि डायबिटीज के मरीजों के लिए ब्रिस्क वॉकिंग जैसे एरोबिक एक्सरसाइज फायदेमंद होंगे। इससे शुगर लेवल भी नियंत्रित रहता है। ब्रिस्क वॉकिंग वजन कम करने में भी सहायक होता है, बता दें कि मोटापा डायबिटीज का प्रमुख कारक होता है। ऐसे में वजन कंट्रोल करके ये व्यायाम डायबिटीज के खतरे को भी कम करता है।

कार्डियो एक्सरसाइज

हेल्थ एक्सपर्ट्स मानते हैं कि कार्डियो एक्सरसाइज करने से दिल की धड़कन बेहतर होती है। इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन और इंसुलिन का स्तर भी इंप्रूव होता है। साथ ही, शरीर में उच्च रक्त शर्करा का स्तर भी नियंत्रित रहता है। यही कारण है कि शुगर लेवल मैनेज करके ये एक्सरसाइज डायबिटीज से होने वाली परेशानियों को भी दूर करता है। बताया जाता है कि ये व्यायाम शरीर से अतिरिक्त ग्लूकोज को बर्न करता है और इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम करता है। ऐसे में डायबिटीज रोगी बर्पीज, वॉकिंग, डांसिंग, स्विमिंग और योग जैसे कार्डियो एक्सरसाइज कर सकते हैं।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

ये एक्सरसाइज लोगों की ताकत को बढ़ाने के साथ ही डायबिटीज कंट्रोल करने में भी फायदेमंद है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार मधुमेह रोगी अगर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं तो इससे बॉडी इंसुलिन को रिस्पॉन्ड करेगी, साथ ही वजन कंट्रोल में रहेगा। इसके अलावा, ये एक्सरसाइज हार्ट डिजीज के खतरे को भी कम करता है।

वृक्ष है मानव जीवन यात्रा का अभिन्न अंग

जन्म के बाद से मृत्यु पर्यंत व्यक्ति भरपूर पेड़ों का उपयोग करता है किंतु वह कितने पेड़ जीवन में लगाता है, यदि इसका हिसाब किया जाए तो शायद एक भी दिन जीने के हकदार नहीं। जिन पेड़ों से हम आक्सीजन लेते हैं अपनी प्राणशक्ति जहां से पाते हैं, क्या उनके स्वास्थ्य के लिए हमें सोचना नहीं चाहिए।

वैज्ञानिक सोच रखने वाले हमारे ऋषि मुनि एवं पूर्वजों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए धर्म को हमारी दिनचर्या के साथ जोड़ दिया था। उन्हें मालूम था कि यदि किसी चीज को बचाना है तो उसको धर्म से जोड़कर हम पीढ़ी दर पीढ़ी एक संदेश पहुंचा सकते हैं। यही कारण है कि उन्होंने नदियों को मां की संज्ञा देकर उनकी पूजा, वंदना, आरती की परंपरा का आवाहन किया। वृक्ष जो हमारे प्राण के आधार हैं, विशेषतः भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन देने वाले वृक्षों को जल से सींचना, उनकी परिक्रमा करना, एवं उनके काटने पर पाप का भागीदार बनना, यह सब बातें हमें शुरू से ही हमारे बड़े समझाते आए हैं। पंच पल्लव वृक्ष बड़, पीपल, आम, अशोक और गूलर को लगाना एवं इन वृक्षों की पूजा करना, युगों से इस परंपरा का प्रतिपादन ऋषि-मुनियों ने किया है। इन सब धारणाओं के पीछे एक बहुत बड़ी वैज्ञानिक सोच है।

जन्म के बाद से मृत्यु पर्यंत व्यक्ति भरपूर पेड़ों का उपयोग करता है किंतु वह कितने पेड़ जीवन में लगाता है, यदि इसका हिसाब किया जाए तो शायद एक भी दिन जीने के हकदार नहीं। जिन पेड़ों से हम ऑक्सीजन लेते हैं अपनी प्राणशक्ति जहां से पाते हैं, क्या उनके स्वास्थ्य के लिए हमें सोचना नहीं चाहिए। हर व्यक्ति अगर एक पौधा गोद ले ले और उसे पानी दे तो शायद उसे ऑक्सीजन के लिए कभी मजबूर ना होना पड़ेगा, कभी असहाय नहीं होना पड़ेगा होगा । क्योंकि प्रकृति का नियम है, कर्म का सिद्धांत कहता है कि जो दोगे वही वापस पाओगे।

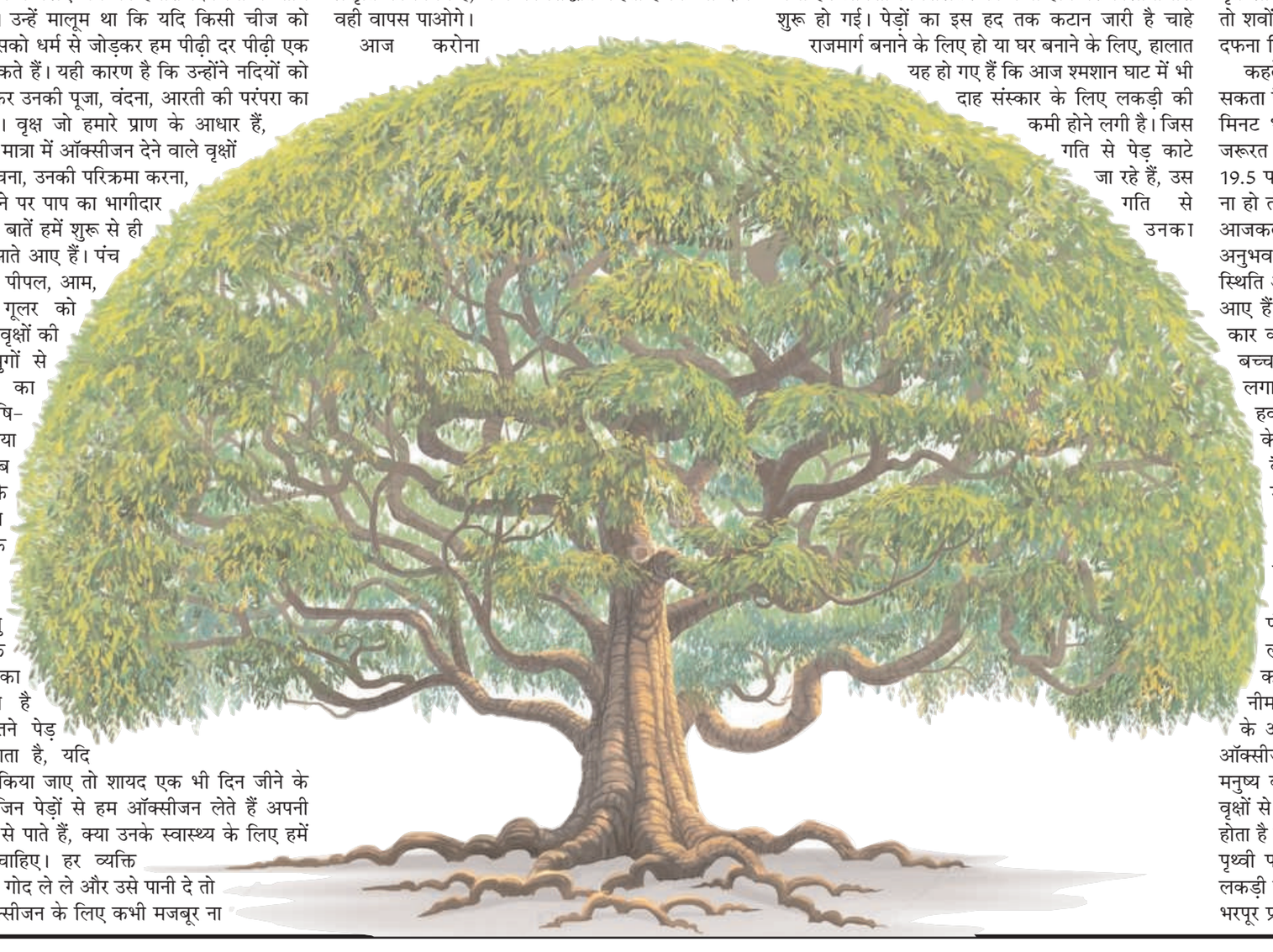

आज करोना महामारी फैलने से सब ओर ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मचा है। ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी होने पर कालाबाजारी शुरू हो गई। पेड़ों का इस हद तक कटान जारी है चाहे राजमार्ग बनाने के लिए हो या घर बनाने के लिए, हालात यह हो गए हैं कि आज श्मशान घाट में भी दाह संस्कार के लिए लकड़ी की कमी होने लगी है। जिस गति से पेड़ काटे जा रहे हैं, उस गति से उनका रोपण नहीं हो रहा। हाल ही में बहुत सी जगह पर करोना से मृत लोगों के शव जलाने के लिए पर्याप्त लकड़ी नहीं मिली तो शवों को गंगा के तथा अन्य नदियों के तट पर रेत में ही दफना दिया।

कहते हैं बिना खाने के व्यक्ति तीन हफ्ते जिंदा रह सकता है, बिना पानी के तीन दिन किंतु बिना हवा के तीन मिनट भी व्यक्ति जिंदा नहीं रह सकता। हर व्यक्ति की जरूरत रोजाना 550 लीटर ऑक्सीजन है। शुद्ध हवा में 19.5 फीसद ऑक्सीजन की मात्रा होती है। यदि यह पूर्ति ना हो तो व्यक्ति को घुटन महसूस होने लगती है जैसा कि आजकल किसी भी बड़े शहर में एक आम आदमी अनुभव कर रहा है। एअर कंडीशनर के प्रयोग से यह स्थिति और भी खराब हुई है। बहुत बार ऐसे मामले सामने आए हैं जब बच्चे को कार में सोने के लिए छोड़ दिया कार का एअर कंडीशन चलाकर और कुछ घंटे बाद में बच्चा मृत मिलता है। घरों में भी लोग एअर कंडीशनर लगाने के लिए खिड़कियां बंद रखते हैं और जब खुली हवा नहीं आती, ऑक्सीजन नहीं मिलती है तो व्यक्ति के फेफड़े कमजोर होने लगते हैं। हमारे शरीर में कैंसर कोशिकाएं भी तभी बढ़ने लगती हैं जब उनको ऑक्सीजन की कमी होती है।

इसलिए मनुष्य को बैंक में पैसे बढ़ाने के साथ ऑक्सीजन बैंक अपने पर्यावरण में बढ़ाएं। समय रहते ऑक्सीजन बैंक बढ़ा लें ताकि उसका मोहताज ना होना पड़े। जितना हो सके अपने आसपास पेड़ पौधे लगाएं। आप फ्लैट में रहते हैं तो गमलों में लगाएं, पास में कोई पार्क है तो उसमें लगाएं। जहां भी कच्ची जगह दिखे वहां पर पेड़ लगाएं पीपल, बड़, नीम, पिलखन, विल्व, गूलर वृक्ष लगाएं और अपने घर के आंगन में भी पौधारोपण करें। पेड़ कोई अपने पास ऑक्सीजन नहीं रखेगा वह तो बांटेगा ही। तभी कहा गया है मनुष्य को परमार्थ जीवन का सबक यदि लेना चाहिए तो वृक्षों से लेना चाहिए। वृक्षों का सारा जीवन परमार्थ के लिए होता है जहां वह फल देता है वही छाया प्रदान करता है और पृथ्वी पर जल की मात्रा बढ़ाता है और सूखने पर उसकी लकड़ी ईंधन के काम आती है और जब हरा भरा होता है तो भरपूर प्राणवायु देता है।

150 देशों में इस्कॉन सेंटर्स पर विरोध प्रदर्शन, प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के खिलाफ प्रदर्शन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज ढाका

बांग्लादेश में मंदिरों और हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ आज 150 देशों में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। ये प्रदर्शन अलग-अलग देशों में इस्कॉन केंद्रों पर होंगे। इस दौरान प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाएंगी और हमलावरों के खिलाफ सख्त एक्शन की लेने की आवाज उठाई जाएगी। मालूम हो कि हिंसा के दौरान बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर पर हुए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। मायापुर इस्कॉन का वैश्विक मुख्यालय है। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने कहा कि बांग्लादेश से आ रहीं तस्वीरें दुनिया भर के लिए बहुत दुखद हैं। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क, मॉस्को, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा के कुछ हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो चुके हैं। 23 अक्टूबर को 150 देशों के सभी इस्कॉन मंदिरों और दूसरे सरकारी प्रतिष्ठानों में, श्रद्धालु बांग्लादेश की घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। बांग्लादेश हिंसा के खिलाफ इस्कॉन मेंबर्स ने शनिवार को कोलकाता में प्रदर्शन किया।

राधारमण दास बोले- मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की होगी: राधारमण दास ने कहा कि इन हमलों को लेकर हम दुखी और आहत हैं। हम शांति और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। भीड़ हमें कैसे निशाना बना सकती है? हम हमेशा नोआखली (बांग्लादेश में) के लोगों के पक्ष में रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंसा में छोटे बच्चों समेत कई लोगों की मौत हो गई। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की जाएगी।

मोदी और UN से भी मामले में हस्तक्षेप की मांग

बांग्लादेश में दुर्गा पूजन के दौरान पूजा पंडालों और हिंदुओं के खिलाफ हिंसा हुई। इसके खिलाफ इस्कॉन ने भारत में कोलकाता समेत कई दूसरी जगहों पर विरोध प्रदर्शन किए हैं। इस्कॉन के सदस्यों ने कोलकाता में बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमिशन के बाहर भी प्रदर्शन किया था। साथ ही इस्कॉन की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त राष्ट्र से भी इस हिंसा को लेकर हस्तक्षेप की मांग की गई है।

20 मकान फूंके गए, हिंदुओं पर हमले हुए

दुर्गा पूजा पर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमले के मामले में शेख हसीना ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। बांग्लादेश में 13 से 17 अक्टूबर के बीच बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। दुर्गा पंडाल तोड़े गए। रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार देर रात भीड़ ने 66 मकानों में तोड़फोड़ की और कम से कम 20 मकानों को फूंक दिया। हिंदुओं पर हमले किए गए। हिंसा अब भी पूरी तरह से बंद नहीं हुई है। दुर्गा पूजा के दौरान मूर्ति विसर्जन के मौके पर कई पूजा मंडपों को तोड़ा गया। कई इलाकों में हिंदुओं को पूजा मंडपों की रखवाली करनी पड़ी।

सीरिया में अमेरिकी एयरस्ट्राइकः अलकायदा का सीनियर नेता मारा गया, दो दिन पहले हुआ था अमेरिकी चौकी पर हमला

सितंबर में सीरिया में हुई एयरस्ट्राइक में अलकायदा का एक और सीनियर नेता सलीम अबु-अहमद मारा गया था। हालिया स्ट्राइक में अब्दुल हामिद अल मतर को मार गिराया गया।

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अमेरिकी सेना की सीरिया में की गई एयरट्राइक में अल कायदा का प्रमुख नेता अब्दुल हामिद अल मतर मारा गया है। शुक्रवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता मेजर जॉन रिग्सबी ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अलकायदा के इस बड़े नेता के मारे जाने के बाद दुनियाभर में हमलों की साजिश करने और उन्हें अंजाम देने की अलकायदा की क्षमता कुछ कम होगी। अलकायदा लंबे समय से हमारे नागरिकों, हमारे साथी देशों और मासूम लोगों को निशाना बनाता आया है।

किसी नागरिक को नहीं पहुंचा नुकसान

रिग्सबी ने कहा कि यह एयरस्ट्राइक रूक-9 एयरक्राफ्ट के इस्तेमाल से की गई थी। इसमें किसी नागरिक को कोई नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है। अलकायदा अमेरिका और उसके साथी देशों के लिए खतरा बना हुआ है। अलकायदा सीरिया को एक सुरक्षित जगह के तौर पर इस्तेमाल करता है और यहां से दुनियाभर में आतंकी हमलों को अंजाम देता है।

अमेरिकी आउटपोस्ट पर दो दिन पहले हुआ था हमला

दो दिन पहले ही दक्षिणी सीरिया में अमेरिकी आउटपोस्ट पर हमला हुआ था। रिग्सबी ने यह नहीं बताया कि क्या अमेरिका ने यह एयरस्ट्राइक इस हमले के जवाब में की थी। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि सीरिया के किस इलाके में यह स्ट्राइक की गई थी।

एक महीने पहले भी अमेरिका ने की थी एयरस्ट्राइक

सितंबर में पेंटागन ने विद्राहियों के कब्जे वाले सीरिया के उत्तर-पश्चिमी इलाके में स्ट्राइक की थी। इसमें अलकायदा का एक और सीनियर नेता सलीम अबु-अहमद मारा गया था। यह एयरस्ट्राइक इदलिब नगर में हुई थी। यह इलाका सीरिया के हथियारबंद विद्रोही गुटों के हाथ में है। इन गुटों में अलकायदा का साथी समूह हयात ताहिर अल-शम शामिल है।

न्यूजीलैंड में 5.9 तीव्रता का भूकंप

वेलिंग्टन।अन्यूजीलैंड में शुक्रवार को प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रिक्टर स्केल पर 5.9 तीव्रता के भूकंप ने सभी को चौंका दिया। हालांकि PM आर्डर्न ने इस भूकंप के बावजूद प्रेस कॉन्फ्रेंस को बीच में नहीं रोका और मीडिया से बात करती रहीं। भूकंप आने पर PM का रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

छोटा सा भटकाव बताकर हटाया भूकंप से ध्यान: पीएम जेसिंडा शुक्रवार को वेलिंग्टन में वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट जारी कर रही थीं। यह मीडिया इवेंट टीवी पर लाइव टेलिकास्ट किया जा रहा था। इसी दौरान भूकंप आने पर उन्होंने अचानक चौंककर हैरानी वाला रिएक्शन दिया, लेकिन उसके बाद उन्होंने हल्के से मुस्कुराते हुए हॉल में मौजूद मीडियाकर्मियों में भूकंप के कारण डर को फैलने से रोकने की कोशिश की। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस रोकने के बजाय माइक पर मुस्कुराकर कहा, ओह, सॉरी इस छोटे से भटकाव के लिए, क्या आप सवाल पूछना जारी रखेंगे? इतना कहने के बाद उन्होंने इवेंट को आगे शुरू कर दिया।

210 किलोमीटर गहराई पर था भूकंप का केंद्र: न्यूजीलैंड की सेस्मिक एजेंसी जियोनेट के मुताबिक, भूकंप 5.9 तीव्रता का था। इस भूकंप का केंद्र नॉर्थ आईलैंड के सेंट्रल हिस्से में 210 किलोमीटर गहराई पर था, लेकिन इसका असर सुदूर दक्षिणी हिस्से में मौजूद क्राइस्टचर्च तक महसूस किया गया। एजेंसी ने भूकंप से नुकसान नहीं होने की बात कही है।

महिला उम्मीदवार RSMSSB पटवारी परीक्षा 2021 में उपस्थित होने के लिए एम.एस. कॉलेज बीकानेर।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में महंगाई-गरीबी के विरोध में विपक्षःइमरान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

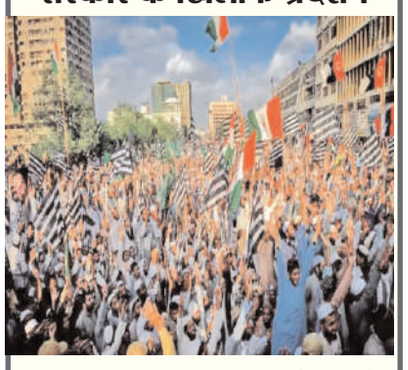

इस्लामाबाद।अपाकिस्तान में बढ़ती महंगाई और गरीबी के विरोध में विपक्षी दलों के गठबंधन ने प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार के खिलाफ बड़ा मोर्चा खोला है। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के बैनर तले चल रहे आंदोलन के तहत लोग सड़कों पर उतर गए हैं। राजधानी इस्लामाबाद, रावलपिंडी, लाहौर, कराची, पेशावर और क्वेटा जैसे अहम शहरों में प्रदर्शनों का दौर चल रहा है। सरकार ने मोबाइल और इंटरनेट को बंद कर दिया है। इसके चलते सरकार ने शहरों में भारी संख्या में पुलिस और अद्धसैनिक बल तैनात किया है। प्रदर्शनकारियों का रास्ता रोकने के लिए जगह-जगह वाहन, कंटेनर और बैरिकेड्स लगाए गए हैं। शुक्रवार देर रात लाहौर में टीएलपी के प्रदर्शन के दौरान झड़प में दो पुलिसकर्मियों सहित चार लोगों की मौत हो गई। पीडीएम के तहत पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज और जमात-उलेमा-ए-इस्लाम फैज इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही है। रावलपिंडी, लाहौर और इस्लामाबाद में मेट्रो बस सेवा को भी बंद कर दिया गया है।

वाहन-बैरिकेड्स से रास्ता रोका, पुलिस छावनी बने कई शहर: इस्लामाबाद और लाहौर जैसे प्रमुख शहरों में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने प्रदर्शनकारियों का रास्ता कंटेनर और बैरिकेड्स लगाकर रोका है। लाहौर में घुसने और निकलने के तमाम रास्ते बंद कर दिए गए हैं। उधर, पंजाब सरकार ने प्रदर्शन में शामिल विपक्षी दल तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) से वार्ता के लिए कमेटी बनाई है।

भारतीय क्रिकेट टीम के प्रशंसक पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु में टी20 विश्व कप मैच से पहले हवन करते हैं।

सामने आया तालिबान का दोगलापनः अफगान सिखों को दिया फरमान- इस्लाम कबूलो या देश छोड़ो, हमलों के बाद बड़ी संख्या में सिख भारत रवाना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

अफगानिस्तान में तालिबान ने अपना दोगला रवैया दिखा दिया है। सत्ता पर कब्जा करने के बाद तालिबान ने मान्यता पाने के लिए सभी धर्मों को साथ लेकर चलने का दावा किया था। लेकिन अब अल्पसंख्यकों के लिए वहां सुरक्षा हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। खासतौर पर सिख समुदाय के अफगानिस्तान में रहने पर संकट मंडरा गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान ने सिखों को आदेश दिया है कि वे इस्लाम ग्रहण कर सुन्नी मुस्लिम बन जाएं या देश छोड़कर चले जाएं। इंटरनेशनल फोरम फॉर राइट्स एंड सिक्योरिटी की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान सरकार ने यह साफ कर दिया है कि सिखों को सुन्नी इस्लाम कबूल करना होगा नहीं तो उन्हें मार दिया जाएगा। तालिबानी सरकार कभी भी देश में विविधता को बढ़ावा नहीं देगी। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि ऐसे में देश में अल्पसंख्यकों के नरसंहार का खतरा मंडरा रहा है। तालिबान ने 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा कर लिया था, जिसके बाद देश में दहशत का माहौल बना हुआ है। IFFRAS ने कहा कि सिख समुदाय अफगानिस्तान में सदियों से रह रहा है, लेकिन पिछले कई दशकों से अफगान सरकार ने उन्हें बुनियादी सुविधाएं भी नहीं दी हैं। उन्हें रहने के लिए घर तक मुहैया नहीं कराए गए।

मर्डर-2 देख मर्डर की प्लानिंगःग्वालियर में बच्चे के लिए कॉलगर्ल की बलि

ग्वालियर।अग्वालियर में बच्चे के लिए कालगर्ल की बलि देने का मामला सामने आया है। यहां शादी के 18 साल बाद भी बच्चे न होने पर आरोपी बेटू भदौरिया ने बहन और उसके बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर एक तांत्रिक के इशारे पर कॉलगर्ल की हत्या की थी। मर्डर का आइडिया मर्डर-2 मूवी से मिला था। वारदात को अंजाम देते समय आरोपियों ने सोचा कि कॉलगर्ल को बुलाकर उसकी बलि दे देंगे। कोई पूछताछ भी नहीं करेगा और पुलिस कुछ दिन जांच करने के बाद भूल जाएगी, लेकिन कॉलगर्ल की कॉल डिटेल और CCTV फुटेज ने मर्डर मिस्ट्री को सुलझा दिया। बच्चे की चाह में दंपती तांत्रिक के जाल में फंस गया और हत्या का ताना-बाना बुना। कॉलगर्ल की हत्या कर आरोपी बेटू की बहन मीरा राजावत और उसका बॉयफ्रेंड नीरज परमार लाश तांत्रिक के पास ले जा रहे थे, पर लाश बाइक से गिर गई।

दिल्ली चुनावों को प्रभावित किया गया, कंपनी ने BJP सांसद से जुड़े फर्जी अकाउंट ब्लॉक नहीं किएः पूर्व कर्मचारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

फेसबुक में बतौर डेटा साइंटिस्ट काम कर चुकी एक पूर्व कर्मचारी ने फर्जी अकाउंट पर कंपनी के रवैये को उजागर किया है। उनका दावा है कि सोशल नेटवर्किंग की इस दिग्गज कंपनी ने पिछले साल दिल्ली चुनावों में फर्जी खातों के खिलाफ सिलेक्टिव कार्रवाई की। कर्मचारी का नाम सोफी झांग है। सोफी ने 3 साल फेसबुक के साथ काम किया था और अब वह व्हिसलब्लोअर बन गई हैं। 2020 में उन्हें खराब काम का हवाला देकर कंपनी से निकाल दिया गया था। NDTV को दिए इंटरव्यू में उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने चुनावों को प्रभावित करने के लिए फर्जी अकाउंट्स का इस्तेमाल किया। हालांकि, सिर्फ भाजपा सांसद से सीधे जुड़े अकाउंट के नेटवर्क को फेसबुक ने नहीं हटाया। सोफी ने कहा कि हमने 5 नेटवर्क में से 4 को हटा दिया। 5वें नेटवर्क को भी हम हटाने वाले थे लेकिन आखिरी मौके पर हमने महसूस किया कि यह बीजेपी के एक बड़े नेता से जुड़ा था। वे लोकसभा सांसद भी हैं। इसके बाद पता ही नहीं चला कि क्या किया जा रहा है। इस पर मुझे किसी से जवाब नहीं मिला कि इस फर्जी अकाउंट के साथ क्या करने वाले हैं।

5 फर्जी नेटवर्क, इनमें दो BJP, दो कांग्रेस और एक आप से जुड़ा

सोफी ने कहा कि उन्हें 2019 के आखिर में 4 फर्जी नेटवर्क मिले। इनमें से दो भाजपा और दो कांग्रेस के सपोर्ट वाले थे। हमने तीन नेटवर्क को बंद कर दिया। इनमें दो कांग्रेस और एक भाजपा का था। हम आखिरी नेटवर्क को बंद करने वाले थे, लेकिन अचानक रुक गए, क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि चौथा नेटवर्क सीधे और निजी तौर पर बीजेपी नेता की ओर से चलाया जा रहा था। इस पर मैं कुछ नहीं कर पा रही थी। सोफी के मुताबिक, एक महीने बाद, जनवरी 2020 में उन्होंने हजारों अकाउंट्स के एक नेटवर्क का पता लगाया। इसका इस्तेमाल आम आदमी पार्टी के पॉलिटिकल मैसेज सर्कुलेट करने के लिए किया जा रहा था। ये अकाउंट खुद को गलत तरीके से भाजपा समर्थक के तौर पर जाहिर करते थे। इन पर दिल्ली चुनाव में आप का समर्थन करने का विकल्प चुनने की बात कही जा रही थी। उन्होंने कहा कि यह 5वां नेटवर्क जनवरी के आखिर तक बंद कर दिया गया।

श्रीनगर के बाहरी इलाके में अपने कार्यस्थल की ओर चलते हुए प्रवासी मजदूर खुद को प्लास्टिक शीट से ढक लेते हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत के अभिमन्यु नें जीता येरेवान इंटरनेशनल शतरंज

येरेवान , अर्मेनिया। अर्मेनिया की राजधानी येरेवान मे भारत के ग्रांड मास्टर अभिमन्यु पौराणिक नें येरेवान इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया । अभिमन्यु नें 9 राउंड मे 6 जीत और 3 ड्रॉ के साथ अपराजित रहते हुए कुल 7.5अंक बनाए और बेहतर टाईब्रेक के आधार पर पहला स्थान हासिल किया , इस जीत से अभिमन्यु लाइव रेटिंग मे 2590 अंक के करीब पहुँच गए है और जल्द ही वह 2600 अंक पार करने वाले अगले भारतीय हो सकते है , उनके अलावा उक्रेन के सिवुक वितालय और अर्मेनिया के अरमान मिकलयन भी 7.5 अंक बनाने मे सफल रहे पर टाईब्रेक के आधार पर क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे । भारत के एसएल नारायनन जो की प्रतियोगिता के टॉप सीड थे 7 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे । अन्य भारतीय खिलाड़ियों मे 6.5 अंक बनाकर अर्जुन एरिगासी छठे ,हर्षा भारतकोठी सातवे स्थान पर रहे।

प्रधानमंत्री से प्रशंसा पत्र पाकर अभिभूत हैं रुपिंदर और लाकड़ा

नई दिल्ली। ओलिम्पिक कांस्य पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी रुपिंदर पाल सिंह और बीरेन्द्र लाकड़ा ने शनिवार को कहा कि संन्यास लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली प्रशंसा से वे अभिभूत हैं। दोनों ने खेलों के लिए प्रधानमंत्री की जुनून से प्रेरित होकर खेल को कुछ वापस देने का संकल्प लिया है। रुपिंदर ने मोदी, प्रधानमंत्री कार्यालय और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को टैग करते हुए शनिवार को ट्वीट किया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का यह पत्र पाकर अभिभूत हूं। खिलाडियों को उनके निरंतर समर्थन ने हमें टोक्यो 2020 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। महोदय, मैं खेल के प्रति आपके जुनून और भारतीय खेलों में अपना योगदान जारी रखने की प्रतिज्ञा से प्रेरित हूं। लाकड़ा ने लिखा- हम खिलाड़ी खेल के लिए अपना जीवन न्योछावर कर देते हैं और जब देश के माननीय प्रधानमंत्री इस बात को स्वीकार करते हैं, तो ऐसा लगता है कि हमने राष्ट्र निर्माण के लिए वास्तव में अपना योगदान दिया है। आदरणीय नरेंद्र मोदी जी को उनके स्नेहपूर्ण भाव के लिए हृदय से धन्यवाद। तोक्यो 2020 के बाद आपके साथ बातचीत में बिताया गया समय हमेशा यादगार रहेगा। लाकड़ा ने कहा कि सरकार की आजादी का अमृत महोत्सव पहल के तहत 75 स्कूलों का दौरा करने के मोदी के सुझाव का पालन करना उनकी प्राथमिकता होगी। रुपिंदर और लाकड़ा ने 30 सितंबर को खेल से संन्यास की घोषणा की थी । मोदी ने इसके बाद इस महीने की शुरुआत में स्टार ड्रैग फ्लिकर रुपिंदर और डिफेंडर लाकड़ा को भारतीय हॉकी में उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद देते हुए एक पत्र भेजा था। टोक्यो ओलिम्पिक में भारतीय टीम के कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाने वाले इन दोनों खिलाडियों ने टीम में युवाओं को मौका देने के लिए संन्यास की घोषणा की थी। मोदी ने रुपिंदर को भेजे प्रशंसा पत्र में कहा कि रुपिंदर पिछले एक दशक से भारतीय हॉकी के लिए प्रेरणा स्रोत रहे हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप:पाकिस्तान के खिलाफ भिड़ंत से पहले 'मेंटर माही' बने थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट, लगा रहे बल्लेबाजों की क्लास

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ महा मुकाबले से पहले टीम इंडिया के मेंटर महेंद्र सिंह धोनी एक्शन में आ गए हैं। धोनी टीम इंडिया के बल्लेबाजों को जमकर तैयारी कराते नजर आ रहे हैं। BCCI ने सोशल मीडिया पर उनकी फोटो शेयर की है, जिसमें धोनी थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट के रूप में बल्लेबाजों को अभ्यास करा रहे हैं। अभ्यास के दौरान उन्होंने बल्लेबाजों की क्लास भी लगाई।

पंत को भी दिया था गुरुमंत्र

इसके पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम जब आखिरी वार्म अप मैच खेल रही थी। उस समय धोनी बाउंड्री के बाहर ऋषभ पंत को विकेट कीपिंग से जुड़े टिप्स दे रहे थे। वो पंत को लगातार प्रैक्टिस करवाते देखे गए थे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। दूसरे वार्म अप मैच में पंत नहीं खेल रहे थे। इस मुकाबले में टीम इंडिया के लिए ईशान किशन विकेट कीपिंग कर रहे थे। एक मेंटर के रूप में इस टी-20 विश्व कप में धोनी का रोल काफी अहम माना जा रहा है।

चौथी बार बनाया चेन्नई को चैंपियन:- धोनी ने हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स को चौथी बार ढ्ढक्क में चैंपियन बनाया था। इसके तुरंत बाद वो भारतीय टीम के साथ मेंटर के रूप में जुड़ गए। धोनी के संन्यास के बाद ऋषभ पंत को ही भविष्य का विकेटकीपर माना गया था, लेकिन कुछ दिन वह अपनी फॉर्म के कारण टीम से अंदर बाहर होते रहे, फिर इस खिलाड़ी ने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन कर स्थाई रूप से टीम में जगह बना ली। इस बार टी-20 वर्ल्ड कप में इस खिलाड़ी से बहुत उम्मीदें हैं।

पाकिस्तान टीम का ओवर कॉन्फिडेंस

भारत के खिलाफ मुकाबले से एक दिन पहले किया टीम का ऐलान

बल्लेबाज	ऑलराउंडर	गेंदबाज
मोहम्मद रिजवान, बाबर आजम, फखर जमान, आसिफ अली, हैदर अली	इमाद वसीम, शादाब खान, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक	शाहीन शाह अफरीदी, हसन अली, हारिस रउफ

» सरफराज को नहीं मिली जगह

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद,नई दिल्ली

24 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले हाईवोल्टेज मुकाबले के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने अपने 12 खिलाड़ियों के नाम का ऐलान कर दिया है। इसकी घोषणा पाक टीम के कप्तान बाबर आजम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए की।

सरफराज को नहीं मिली जगह

पाकिस्तान टीम ने अपने 12 खिलाड़ियों में बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, फखर जमान, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, आसिफ अली, हैदर अली, इमाद वसीम, शादाब खान, हसन अली, शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रउफ को जगह दी। टीम ने पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को अंतिम 12 में शामिल नहीं किया।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए सरफराज को पहले पाकिस्तान की टीम में जगह भी नहीं मिली थी, लेकिन बाद में उनको 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया। सरफराज टीम के बड़े खिलाड़ियों में से एक हैं। ऐसे में इस मैच में पाक टीम को मैदान पर उनके अनुभव की कमी खल सकती है।

मलिक की हुई वापसी

घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले शोएब मलिक की अंतिम 12 में वापसी हुई है। मलिक ने राष्ट्रीय टीम के लिए आखिरी मुकाबला लगभग एक साल पहले खेला था। 2007 से अब तक शोएब ने 5 टी-20 वर्ल्ड कप खेले गए हैं। साथ ही उनके पास 22 साल का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अनुभव भी है। टी-20 वर्ल्ड कप के 28 मुकाबलों में मलिक ने 32.11 की औसत के साथ 546 रन बनाए हैं।

हर बार भारत से हारा पाक

पाकिस्तान की टीम वर्ल्ड कप में भारत को कभी नहीं हरा पाई है। दोनों टीमें टी-20 वर्ल्ड कप में 5 बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इन सभी में भारत ने पाकिस्तान को हराया है। इस बार भी कोहली एंड कंपनी को जीत का फेवरेट माना जा रहा है।

वनडे वर्ल्ड कप में भी भारत का दबदबा

टी-20 के अलावा वनडे वर्ल्ड कप में भी टीम इंडिया का पाकिस्तान के खिलाफ शत-प्रतिशत रिकॉर्ड रहा है। 1992 से 2019 तक दोनों टीमों के बीच 50-50 ओवर वर्ल्ड कप के कुल सात मुकाबले खेले गए हैं और सभी में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है।

कप्तानी के सवाल पर भड़के कोहली, बोले-

आपको बार-बार इस टॉपिक में घुसना है तो मैं कुछ नहीं कर सकता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान मुकाबले के एक दिन पहले टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। उन्होंने कहा कि हम मैच के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस दौरान कोहली एक सवाल पर गुस्सा भी हो गए।

इस विश्व कप के बाद ञ्20द्ब कप्तानी छोड़ने के अपने फैसले जब पत्रकारों ने उनसे सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा, %मैंने इस बारे में पहले ही अपनी बात रख दी है, अगर आपको बार-बार इसमें घुसना है तो मैं कुछ नहीं कर सकता। हमारा ध्यान इस टूर्नामेंट पर है। हम एक टीम के रूप में अच्छा खेलना चाहते हैं। आपको अगर कुछ खोदना है तो यहां कुछ मौजूद नहीं है।

मैच में पूरे कॉन्फिडेंस के साथ उतरेंगे

उन्होंने आगे कहा कि, मैच में हम पूरे कॉन्फिडेंस के साथ उतरेंगे। पाकिस्तान की टीम भी काफी मजबूत है। उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो कोई भी मैच

अपने दम पर पलट सकते हैं। हम सिर्फ अपने प्लान पर फोकस कर रहे हैं।

हार्दिक पंड्या की स्थिति बेहतर हो रही

विराट ने हार्दिक को लेकर कहा, हार्दिक पंड्या की मौजूदा स्थिति दिन प्रतिदिन बेहतर होती जा रही है और वह विश्व कप के मैचों में गेंदबाजी कर सकते हैं। हमारे पास काफी विकल्प है। पंड्या को पूरी तरह से तैयार होने तक वो बल्लेबाजी के साथ एक या दो ओवर कर सकते हैं।

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह ने शनिवार को कहा कि संन्यास लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली प्रशंसा से वह अभिभूत हैं और उन्होंने खेलों के लिए उनके जुनून से प्रेरित होकर खेल को कुछ वापस देने का संकल्प लिया है। रूपिंदर ने मोदी ने प्रधानमंत्री कार्यालय और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को टैग करते हुए शनिवार को ट्वीट किया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का यह पत्र पाकर अभिभूत हूं।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS

ईशान किशन के घर से रिपोर्ट, पिता बोलेः बेटे ने मेहनत से मुकाम बनाया; मैच देखने रिश्तेदार किशन के घर पहुंचे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज पटना

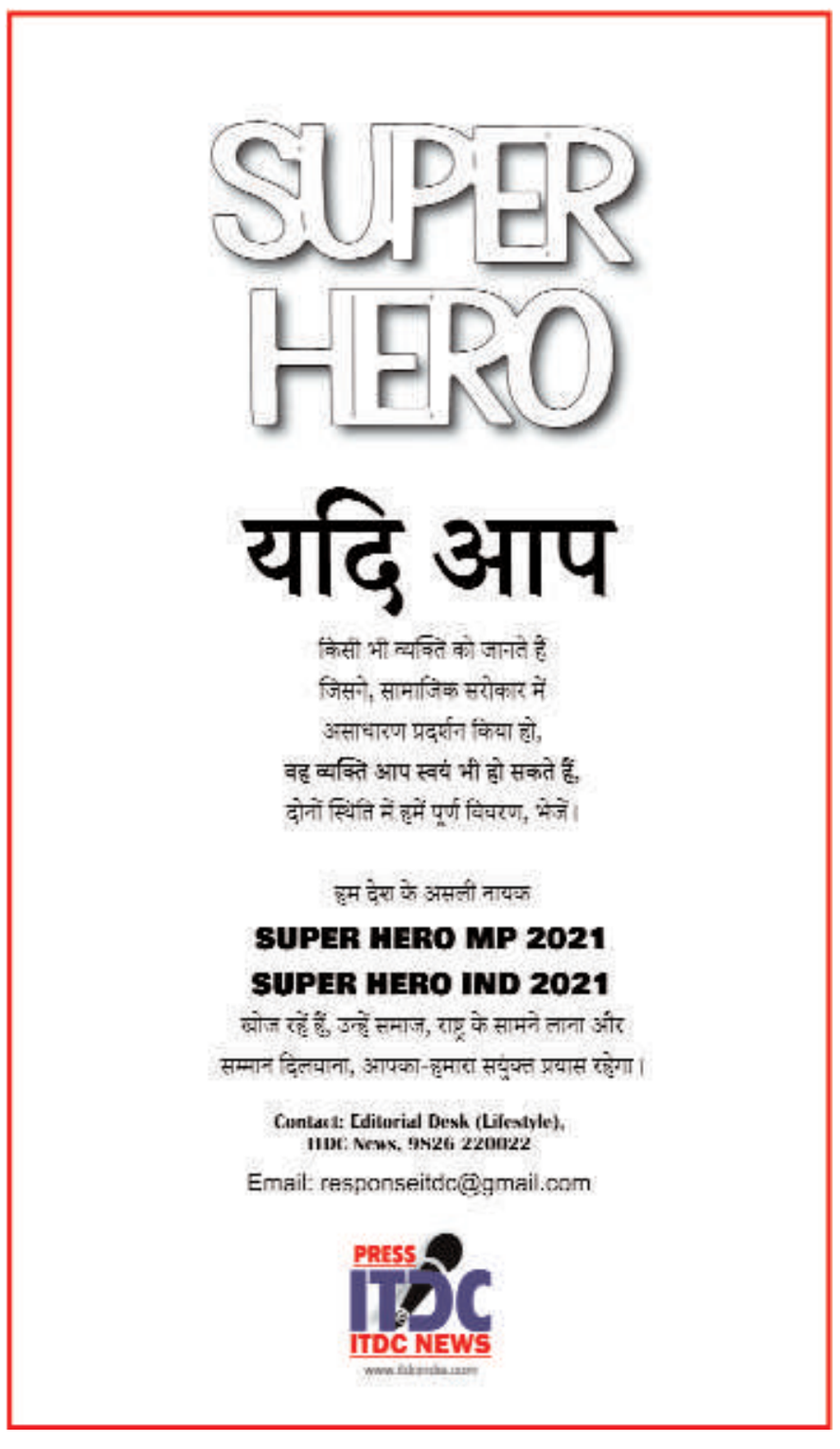

बिहार के ईशान किशन टी-20 वर्ल्ड कप की टीम इंडिया में शामिल हैं। पटना में उनके परिवार को उम्मीद है कि 24 अक्टूबर को जब विराट कोहली की टीम पाकिस्तान के खिलाफ दुबई स्टेडियम में उतरेगी तो ईशान प्लेइंग 11 का हिस्सा जरूर होंगे। इतना ही नहीं वो टीम इंडिया को जीत भी दिलाएंगे।

पिता को बेटे पर गर्व

परिवार में खुशी का माहौल तो तभी से है जब ईशान को टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में चुना गया था। अब इंतजार 24 अक्टूबर का है, जब ईशान टीम इंडिया की जर्सी में मैदान पर उतरेंगे।

ईशान के पिता का नाम प्रणव पांडेय जबकि माता का नाम सुचित्रा सिंह है। प्रणव को बेटे पर गर्व है। वो कहते हैं- ईशान आज जो कुछ है, उसके पीछे उसकी अपनी मेहनत है। इसी मेहनत के दम पर उसने कामयाबी का यह सफर तय किया है। कई बार हालात बेहद मुश्किल थे, लेकिन उसने हार नहीं मानी। अब हम उसे टीम इंडिया की जर्सी में पाकिस्तान के खिलाफ खेलते और बेहतर प्रदर्शन करते देखना चाहते हैं।

मैदान पर उतरने की उम्मीद

परिवार को पूरी उम्मीद है कि कप्तान कोहली किशन को प्लेइंग ङ्कद्ब में जरूर मौका देंगे। इस मौके को कैसे सेलिब्रेट किया जाए? परिवार इसकी प्लानिंग कर रहा है। ईशान की भाभी पल्लवी डॉक्टर हैं। वो कहती हैं- मेरे और ईशान के बीच शानदार बॉन्डिंग है। अकसर बातचीत होती है। मुझे उस पल का इंतजार है, जब ईशान पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। हमारे घर में काफी एक्साइटमेंट है। अब उसकी फैन फॉलोइंग भी जबरदस्त है। अब तो लोग मुझसे गुजारिश करते हैं कि मैं उन्हें एक बार ईशान से मिलवा दूं।

रिश्तेदार घर पहुंचे::- ईशान को लेकर लोगों में बहुत उत्साह है, खासतौर पर रिश्तेदारों में। उनकी मामी विनिता तो ईशान के घर ही पहुंच चुकी हैं। वो कहती हैं- जब से ईशान इंटरनेशनल क्रिकेटर बना है, सच पूछिए तो हम लोग खास हो गए हैं। लोग हमें अब ईशान के रिश्तेदार के तौर पर जानने लगे हैं।

न्यूज ब्रीफ

व्हाट्सऐप को चुनौती का अधिकार नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय में आज एक हलफनामा दायर कर कहा कि व्हाट्सऐप विदेशी कंपनी होने के नाते संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत मौलिक अधिकारों का दावा नहीं कर सकती। वह अदालत के फैसले या भारतीय कानून की संवैधानिकता को चुनौती भी नहीं दे सकती। हलफनामे में कहा गया है कि व्हाट्सऐप भारतीय कानूनों की संवैधानिकता को चुनौती नहीं दी सकती क्योंकि वह विदेशी इकाई है और उसके कारोबार का संचालन भारत से नहीं होता है। व्हाट्सऐप ने इस साल मई में भारत सरकार के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया था और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थता दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया नैतिक संहिता) नियमों, 2021 के संदेश के उद्गम का पता लगाने वाले प्रावधान पर रोक लगाने की मांग की थी। इस प्रावधान के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को आवश्यकता पडने् पर 50 लाख से ज्यादा उपयोगकर्ताओं के बीच पता लगाना होगा कि संबंधित संदेश पहली बार कहां तैयार किया गया था। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माध्यम से यह हलफनामा दाखिल किया है। बिज़नेस स्टैंडर्ड ने भी हलफनामा देखा है, जिसमें कहा गया है कि कोई विदेशी व्यावसायिक इकाई अनुच्छेद 19 के तहत अधिकारों के उल्लंघन का हवाला देकर कानून के प्रावधानों की संवैधानिकता को चुनौती नहीं दे सकती। मामला अदालत में विचारधीन है इसलिए व्हाट्सऐप ने इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की।

रिलायंस के दूसरी तिमाही के नतीजे

कंसोलिडेटेड प्रॉफिट 46 फीसदी बढ़कर 15,479 करोड़ रुपए पर पहुंचा, OwC रेवेन्यू 1.2 लाख करोड़ हुआ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सितंबर में समाप्त तिमाही के नतीजे शुक्रवार शाम घोषित किए। कंपनी ने इस तिमाही में 15,479 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड कंसोलिडेटेड प्रॉफिट दर्ज किया है। ये एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 46 फीसदी की ग्रोथ है। स्न्ङ्ख21त्त्२ में प्रॉफिट 10,602 करोड़ रुपए रहा था।

रेवेन्यू की बात करें तो रिलायंस का FYwwQw में कंसोलिडेटेड ग्रॉस रेवेन्यू 191,532 करोड़ रुपए रहा। एक साल की पहले समान अवधि में यह 128,385 करोड़ रुपए था। ये 49.2 फीसदी की ग्रोथ है। वहीं कंपनी ने 30,283 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड तिमाही कंसोलिडेटेड ऑपरेटिंग प्रॉफिट दर्ज किया, जो एक साल पहले की तुलना में 30 फीसदी ज्यादा है।

ऑयल-टू-केमिकल्स

रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल्स प्रोडक्ट की ग्लोबल डिमांड बढ़ने से इस तिमाही में सेगमेंट रेवेन्यू 58.1 फीसदी बढ़कर 120,475 करोड़ रुपए हो गए। FYwwQw में यह 76,184 करोड़ रुपए थे। वहीं वर्टिकल ऑपरेटिंग प्रॉफिट 43.9 फीसदी बढ़कर 12,720 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एक साल पहले FYwwQw में यह 8841 करोड़ रुपए था।

रिलायंस रिटेल

सितंबर में समाप्त तिमाही में रिलायंस रिटेल के ग्रॉस रेवेन्यू 10.5 फीसदी बढ़कर 45,426 करोड़ रुपए हो गए। FYwwQw में यह 41,100 करोड़ रुपए थे। वहीं ऑपरेशन से रेवेन्यू 9.2 फीसदी बढ़कर 39,926 करोड़ रुपए हो गए।

जियो प्लेटफॉर्म

सितंबर में समाप्त तिमाही में जियो प्लेटफॉर्म के ग्रॉस रेवेन्यू पिछले साल की समान अवधि की तुलना में बढ़कर 23,222 करोड़ रुपए हो गए। स्न्ङ्ख21त्त्२ में यह 21,708 करोड़ रुपए थे। वहीं ऑपरेशन से रेवेन्यू 18,496 करोड़ रुपए से बढ़कर 19,777 करोड़ रुपए हो गए।

ऑयल एंड गैस

तिमाही के दौरान उत्पादन में 23 फीसदी की बढ़ोतरी के कारण सेगमेंट रेवेन्यू 363.1 फीसदी बढ़कर 1,644 करोड़ रुपए हो गए। FYwwQw में यह 355 करोड़ रुपए थे। इस तिमाही में सेगमेंट ने 1,071 करोड़ रुपए का ऑपरेटिंग प्रॉफिट रिपोर्ट किया। एक साल पहले की तिमाही में 194 करोड़ रुपए का ऑपरेटिंग लॉस रिपोर्ट किया गया था।

मीडिया बिजनेस

एडवरटाइजमेंट सेल्स में सुधार के कारण इस तिमाही में रिलायंस के मीडिया वर्टिकल की सेल्स 31 फीसदी बढ़कर 1,387 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह 1,061 करोड़ रुपए थी। मीडिया बिजनेस का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 52 फीसदी बढ़कर 253 करोड़ रुपए हो गया।

महंगाई पर मारक मॉनसूनन्खरीफ सीजन में पैदावार बढ़ सकती है, महंगाई में कमी आ सकती है : इंड-रा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मॉनसून सीजन में मूसलाधार बारिश होने से कुछ राज्यों में भले ही कुदरत का कहर बरपा हो, लेकिन इससे खरीफ सीजन में फसल की उपज बढ़ सकती है और महंगाई में कमी आ सकती है। यह बात इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च इंड-रा ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कही है। रेटिंग कंपनी ने कहा है कि बाजार में खरीफ फसल की आवक महंगाई को निचले लेवल पर बनाए रखेगी। इंड-रा ने कहा है कि रसोई तेलों के आयात शुल्क में कटौती का असर भी महंगाई पर देखने को मिलेगा लेकिन, उसके खुदरा दाम ऊंचे लेवल पर बने रहेंगे क्योंकि देश में जरूरत का लगभग 56 फीसदी तेल बाहर से मंगाया जाता है। रेटिंग कंपनी अपनी रिपोर्ट में लिखती है, इसलिए इंड-रा का अनुमान है कि इस वित्त वर्ष में औसत महंगाई दर 6 फीसदी से नीचे बनी रह सकती है।

धान और दलहन का रकबा बढ़ा, तिलहन और मोटे अनाजों का घटा

मॉनसून में लॉन्ग पीरियड एवरेज का 99 फीसदी बारिश:- इस साल जून से सितंबर के बीच मॉनसून सीजन में लॉन्ग पीरियड एवरेज यानी LPA का 99 फीसदी बारिश हुई। लेकिन, हर महीने अलग-अलग मात्रा में बारिश हुई और कहीं ज्यादा तो कहीं कम हुई।

भारत की आधुनिक महिलाओं के समक्ष मौजूद समस्याएं

नई अदिल्ली। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर का कहना है कि आधुनिक महिलाएं विवाह की इच्छुक नहीं होतीं और अगर वे शादी करना भी चाहती हैं तो बच्चे पैदा नहीं करना चाहतीं और इसके लिए सरोगेसी का विकल्प चुनती हैं। वह नाराजगी के साथ कहते हैं कि यह समाज पर %पश्चिमी प्रभाव% के कारण हुआ है और महिलाओं के सोच में आमूलचूल बदलाव आया है जो ठीक नहीं है। चूंकि मंत्री ये टिप्पणियां विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर दिए जाने वाले भाषण के संदर्भ में कर रहे थे इसलिए यह सोशल मीडिया पर शर्मनाक ढंग से फैल गया। उनकी पार्टी इस विचार का समर्थन नहीं करना चाहेगी।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।